मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 128
गुरुवार, 21 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

महाराष्ट्र और झारखंड में किसकी बनेगी सरकार, खत्म हुई वोटिंग, अब नतीजों का इंतजार

मुंबई/रांची, 20 नवम्बर। महाराष्ट्र और झारखंड के दूसरे चरण के लिए वोटिंग खत्म हो चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, शाम 5 बजे तक, झारखंड (द्वितीय चरण) 67.59% और महाराष्ट्र में 58.22% मतदान दर्ज किया गया। दोनों राज्यों के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार, गढ़चिरौली जिले में सबसे अधिक 69.63% मतदान हुआ, जबकि मुंबई शहर में सबसे कम 49.07% मतदान हुआ। ठाणे में 49.76% मतदान हुआ। ईसीआई द्वारा साझा किए गए अन्य मतदान आंकड़ों में शामिल हैं: मुंबई उपनगरीय 51.76%, नागपुर 56.06%, औरंगाबाद 60.83%, पुणे 54.09%, नासिक 59.85%, सतारा 64.16%, धुले 59.75%, पालघर 59.31%, रत्नागिरी में 60.35%, नांदेड़ में 55.88%, और लातूर 61.43% पर।

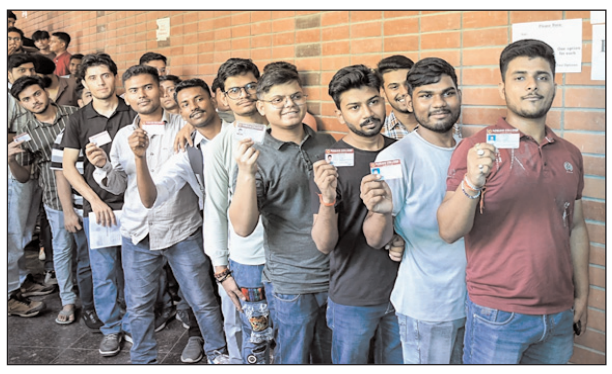

अधिकारियों ने बताया कि 9.7 करोड़ से अधिक मतदाता मैदान में मौजूद 4,136 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे। महायुति गठबंधन में शामिल भाजपा 149 सीट पर, शिवसेना 81 सीट पर और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा 59 सीट पर चुनाव लड़ रही है। विपक्षी गठबंधन एमवीए

में शामिल कांग्रेस ने 101 उम्मीदवार, शिवसेना (यूबीटी) ने 95 और राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने 86 उम्मीदवार उतारे हैं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) समेत छोटी पार्टियां भी चुनाव लड़ रही हैं। राज्य विधानमंडल के 288 सदस्यीय निचले सदन में बसपा ने 237 उम्मीदवार और एआईएमआईएम ने 17 उम्मीदवार उतारे हैं।अधिकारियों ने बताया कि 12 जिलों के 14,218 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे मतदान शुरू होकर पांच बजे संपन्न हुआ जबकि 31 मतदान केंद्रों पर मतदान शाम चार बजे संपन्न हुआ। हालांकि, इन सभी केंद्रों पर मतदान संपन्न होने के तय समय से पूर्व कतार में लगे लोगों को मतदान करने की अनुमति दी गयी।

झारखंड चुनाव में सत्तारूढ़ झामुमो नीत इंडिया गठबंधन अपनी कल्याणकारी योजनाओं के बल पर सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रहा है, जबकि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) इसे हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

भाजपा हेराफेरी के जरिए चुनाव जीतने के लिए प्रशासन पर दबाव बना रही है : अखिलेश यादव

लखनऊ, 20 नवम्बर। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया गया कि वह उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव हेराफेरी के जरिए जीतने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अनियमितताओं के बारे में निर्वाचन आयोग से शिकायत की है। राज्य में नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान हो रहा है।

यहां यादव संवाददाताओं से कहा, हमने करहल, सीसामऊ, मीरापुर, कुंदरकी और फूलपुर, मझवां सहित विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अनियमितताओं के बारे में शिकायतें दर्ज कराई हैं। इसके बावजूद ऐसा लगता है कि

निर्वाचन आयोग (ईसी) इन पर आंखें मूंदे हुए है। ऐसा प्रतीत होता है आयोग की संवेदनाएं अब काम नहीं कर रही हैं। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा इन उपचुनावों को वोट के जरिए नहीं, जोड़-तोड़ के जरिए जीतना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि हार के डर से भाजपा प्रशासन पर अनुचित तरीके से काम करने का दबाव बना रही है।

उन्होंने कहा, मैं अपने मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे मतदान केंद्रों पर जाएं, सिर्फ एक बार नहीं बल्कि कई बार और तब तक वहीं रहें जब तक वे अपना वोट न डाल दें। यह हमें दिया गया अधिकार है और हर किसी को इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

उन्होंने सपा की पिछली शिकायतों के जवाब में जारी निर्वाचन आयोग के निर्देशों का भी हवाला दिया और कहा, आयोग (निर्वाचन आयोग) ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था कि पुलिस किसी को नहीं रोक सकती, तलाशी नहीं ले सकती या पहचान पत्र नहीं देख सकती। इसके बावजूद, भाजपा बेईमानी का सहारा ले रही है क्योंकि उन्हें पता है कि वे जनता का समर्थन खो रहे हैं। उन्होंने दावा किया, उनके अपने ही कई लोग विरोध कर रहे हैं।

मणिपुर ने ताजा हिंसा के बीच 7 जिलों में इंटरनेट प्रतिबंध तीन दिन के लिए बढ़ाया

मणिपुर, 20 नवम्बर। मणिपुर ने ताजा हिंसा के बीच 7 जिलों में इंटरनेट प्रतिबंध तीन दिन के लिए बढ़ाया। एक आदेश के अनुसार मणिपुर सरकार ने बुधवार को सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को तीन और दिनों के लिए बढ़ा दिया। बढ़ती हिंसा के बीच, प्रशासन ने असामाजिक तत्वों को ऐसी सामग्री फैलाने से रोकने के लिए 16 नवंबर को दो दिनों के लिए सेवाओं को निलंबित कर दिया, जिससे कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। इसे सोमवार को दो और दिनों के लिए बढ़ा दिया गया था।राज्य सरकार ने मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद

मणिपुर के इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचंदपुर और कांगपोकपी के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को तीन और दिनों के लिए निलंबित करने का फैसला किया।

16 नवंबर को, प्रशासन ने ब्रॉडबैंड और मोबाइल इंटरनेट सेवाओं दोनों पर निलंबन लगाया था। हालांकि, इसने आम लोगों, स्वास्थ्य सुविधाओं, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य कार्यालयों को होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए मंगलवार को ब्रॉडबैंड सेवाओं पर प्रतिबंध हटा दिया।

पंजाब में 2 दिनों में सुरक्षा बलों ने 8 ड्रोन को पकड़ा

पंजाब, 20 नवम्बर। उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक के बिगड़ते स्तर और धुंध की मोटी परत ने पंजाब में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (क्ष्ठ) को भी प्रभावित किया है, क्योंकि दिवाली के बाद से पाकिस्तान सीमा के पास ड्रोन की गतिविधि में अचानक वृद्धि हुई है। सीमा सुरक्षा बल ने सतर्कता और चौबीसों घंटे गश्त बढ़ा दी है। पिछले दो दिनों में आठ ड्रोन को मार गिराया गया है। इसमें मंगलवार को तरनतारन और अमृतसर जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों से बरामद किए गए तीन और पाकिस्तानी ड्रोन शामिल हैं।

बीएसएफ के जवानों ने सुबह करीब 08:30 बजे तरनतारन जिले के नौशेरा ढाला गांव के पास सीमा पर बाड़ के आगे एक खेत से टूटी हुई हालत में एक डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके बरामद किया। बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर जिले के राजाताल गांव के पास सीमा पर बाड़ के आगे एक खेत से सुबह करीब 10:42 बजे एक और डीजेआई मैविक थ्री क्लासिक बरामद किया। सीमा पर तैनात तकनीकी जवाबी उपायों के समय पर सक्रिय होने के कारण ड्रोन को मार गिराया गया।

ड्रोन देखे जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ₹एक से दो ड्रोन की बरामदगी से अचानक गतिविधि में तेजी आई है। धुंध शुरू होने के बाद से हम एक दिन में चार ड्रोन बरामद कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन धान की कटाई के मौसम के साथ मेल

खाते हैं। मशीनों से तेज आवाज आती है जो ड्रोन के शोर को दबा देती है। 2024 में अब तक बीएसएफ पंजाब ने ड्रग्स और हथियारों की अवैध खेप बरामद की है। अधिकारी ने बताया कि अब तक बल ने यूएवी/ड्रोन से 245 किलोग्राम हेरोइन, 15 किलोग्राम अफीम, 1 किलोग्राम आरडीएक्स (विस्फोटक), 34 हथियार, 45 मैगजीन और 405 यूनिट गोला-बारूद जब्त किया है।भारत और पाकिस्तान दोनों ही हाल के वर्षों में सबसे खराब स्मॉग का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने हाल ही में स्मॉग के मुद्दे को संबोधित करने के लिए भारत के साथ जलवायु कूटनीति की वकालत की थी। उन्होंने यहां तक कहा कि वह स्मॉग के बारे में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को एक पत्र लिखने पर विचार कर रही हैं, जिसमें स्मॉग और इसके पर्यावरणीय प्रभाव के मुद्दे को संबोधित करने के लिए भारत के साथ कूटनीतिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया है।हालांकि, मान ने कहा, ₹दिल्ली सरकार भी पंजाब के खेतों में आग के बारे में यही कहती है।

पाली जिले में डंपर ने एंबुलेंस को टक्कर मारी, चार लोगों की मौत

पाली, 20 नवम्बर। राजस्थान के पाली जिले में बुधवार को एक डंपर ने एंबुलेंस को टक्कर मार दी जिससे चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। रोहट के थानाधिकारी निरंजन सिंह ने बताया कि एक मरीज अशोक को अहमदाबाद से एंबुलेंस में जोधपुर लाया जा रहा था। उसके साथ उसके परिजन भी थे।

सिंह के अनुसार, गजनगढ़ के पास अचानक सड़क पर मवेशी आ गया और एंबुलेंस से टकरा गया। हादसे में एंबुलेंस को नुकसान पहुंचा और जोधपुर से दूसरी एंबुलेंस बुलाई गई।

जब मरीज को दूसरी एंबुलेंस में स्थानांतरित जाया जा रहा था तभी तेज गति से जा रहे एक डंपर ने (दुर्घटनाग्रस्त) एंबुलेंस को टक्कर मार दी जिससे मोहिनी देवी और फगली देवी की मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि दो अन्य हरिराम और सुनील ने जोधपुर के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सुनील एंबुलेंस का चालक था। इस हादसे में अशोक घायल हो गया और उसका इलाज किया जा रहा है।

महामना कैंसर हास्पिटल में हैलसियॉन एलिट रेडिएशन मशीन का हुआ उद्घाटन

◆इंडियन ऑयल के सहयोग से महामना कैंसर अस्पताल को मिला अतिरिक्त रेडिएशन मशीन

सुरेश गांधी

वाराणसी। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र एवं होमी भाभा कैंसर अस्पताल में अतिरिक्त रिंग गैंट्री लीनियर एक्सलरेटर (हैलसियॉन एलिट रेडिएशन मशीन) का इंडियनऑयल और टाटा स्मारक केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने उद्घाटन किया। अस्पताल के निदेशक डॉक्टर सत्यजीत प्रधान का दावा है कि इससे कैंसर मरीजों को रेडिएशन उपचार लेने में सहूलियत होगी। अस्पताल को यह मशीन सी.एस.आर. पहल के तहत उपलब्ध कराई गई है।

इस अवसर पर डॉ. सुदीप

गुप्ता ने कहा कि कैंसर इलाज में रेडिएशन उपचार अहम है। चूंकि रेडिएशन इलाज एक लंबी प्रक्रिया है, इसलिए कई बार मरीजों को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए हम अस्पताल में आज अतिरिक्त मशीन की शुरूआत कर रहे हैं, जो आने वाले दिनों में कैंसर मरीजों के लिए बड़ी मदद लेकर आएगा। बता दें कि डॉ. गुप्ता तीन दिवसीय दौरे पर वाराणसी आए हुए हैं इस दौरान वह अस्पताल में सी.एस.आर. के तहत प्राप्त हुई और शुरू हुई कई तरह की नई सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे, जिसमें मुख्य रूप से कोटक महिंद्रा बैंक द्वारा सीटी सिम्युलेटर और एच.डी.एफ.सी. बैंक द्वारा अस्पताल में बैरियर लाउंड्री की सुविधा शामिल है।

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र एवं होमी भाभा कैंसर अस्पताल उत्तर प्रदेश सहित पड़ोसी राज्यों के कैंसर मरीजों के लिए एक बड़ी सौगात है और अब तक इन दोनों अस्पतालों में 1,22,896 नए कैंसर मरीजों का पंजीकरण, जबकि 20,197 मरीजों की सर्जरी हो चुकी है।

अगर इस वर्ष की बात करें तो जनवरी से लेकर अक्टूबर तक कुल 22,522 नए मरीजों का पंजीकरण हो चुका है। दोनों अस्पताल में फिलहाल तीन रेडिएशन मशीन है, जिसपर अब तक मरीजों का इलाज किया जा रहा था। पिछले वर्ष इन सभी मशीनों से तकरीबन 3300 मरीजों को इलाज दिया गया, जबकि शुरूआत से लेकर अब तक कुल 14,814 मरीजों को रेडिएशन इलाज दिया गया है। अब इस नई मशीन की शुरूआत होने से अस्पताल में रेडिएशन मशीन की संख्या बढ़कर चार हो गई है, जिससे हर साल अतिरिक्त 1500 नए मरीजों को इलाज मिल सकेगा। इससे अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को समय रहते रेडिएशन उपचार का लाभ मिलेगा।

गहलोत के इस्तीफे का झटका, बड़े संकट का संकेत

-ललित गर्ग

दिल्ली में विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा। दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह से चुनावी वादों को पूरा न करने जैसे ऐसे अनेक मुद्दों का जिक्र करते हुए अपने पद एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। दिल्ली के विकास की बजाय ह्यआपह्न सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतने की बात कहकर गहलोत ने आम आदमी पार्टी की एक बड़ी कमजोरी को उजागर किया है, जो आप के लिये एक बड़ा राजनीतिक संकट का संकेत है। अरविंद केजरीवाल ने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन शुरू करके इस पार्टी का गठन किया, लेकिन खुद एवं उसके अन्य बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की यात्रा कर आये, अनेक मतभेदों, विवादों एवं केजरीवाल के अहंकार, गलत नीतियों के चलते पार्टी के कई दिग्गज नेता पार्टी से दूर होते चले गए, जिनमें किरण बेदी, कवि कुमार विश्वास, आशुतोष, आशीष खेतान, शांति भूषण, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी और कपिल मिश्रा और अब कैलाश गहलोत जैसे नाम शामिल हैं। लगता है अब आम की झाडू ही नहीं, बल्कि आप के राजनीतिक मूल्य भी तार-तार हो गये हैं। आम आदमी पार्टी के बढ़ते संकट एवं गिरते राजनीतिक मूल्यों के कारण उसकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है।

कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी को इस्तीफा भेजा है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए एक लम्बा पत्र केजरीवाल को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है। गहलोत ने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को शीशमहल करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं। ऐतिहासिक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जन्मी इस पार्टी का यह हश्र एवं दूरगति राजनीतिक महत्वाकांक्षा का परिणाम है। आम आदमी पार्टी खुद को ईमानदारी के उच्चतम मानकों पर रखने का दावा भले ही करती रही हो, लेकिन उसने सत्ता का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक एवं नैतिक मूल्यों को ध्वस्त ही किया है। आप का उदय एक ताजी हवा का झोंका था लेकिन आज वह दूषित राजनीति का पर्याय बन गया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कैलाश गहलोत का इस्तीफा आम आदमी पार्टी के लिये उल्टी गिनती का द्योतक है, यह राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला है, क्योंकि गहलोत ने एक तो यह कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार यमुना को साफ नहीं कर सकी और स्थिति यह है कि वह पहले से अधिक गंदी हो गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आप सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतता है। भले ही आप कैलाश गहलोत की इन बातों को यह कहकर खारिज कर सकती है कि वह भाजपा की भाषा बोल रहे हैं और यह भी कहा जा सकता है कि गहलोत पर ईडी-सीबीआइ आदि का दबाव था। निश्चित ही गहलोत के खिलाफ ईडी और इनकम टैक्स के कई मामले चल रहे थे। कैलाश गहलोत पर ईडी और इनकम टैक्स की कई रेड भी हो चुकी थी। वह जांच का सामना कर रहे थे। आप के इन बयानों में कुछ सच्चाई भी हो सकती है कि उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। लेकिन बड़ा तथ्य है कि आप दिल्ली की जनता के साथ न्याय नहीं कर सकी है, वह केंद्र सरकार से बात-बात में झगड़ा मोल लेने के लिए जानी जाती है। इससे इन्कार नहीं कि केंद्र सरकार भी आम आदमी पार्टी से उलझती हुई दिखती है, लेकिन दिल्ली सरकार की छवि ऐसी बन गई है कि वह केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने का मौका ढूंढती रहती है। दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच हर मुद्दे पर खींचतान जारी रहने से सबसे अधिक नुकसान दिल्ली की जनता को हुआ है। दिल्ली की कई समस्याएं नहीं सुलझ पाने, दिल्ली का अपेक्षित विकास न हो पाने एवं अपने चुनावी वादों को पूरा न करने के कारणों के लिये आप नेताओं ने हमेशा ही केन्द्र सरकार एवं भाजपा को दोषी ठहराया है। गहलोत ने कहा कि पार्टी से जुड़ी उनकी यात्रा का उद्देश्य दिल्ली के लोगों की सेवा करना था, लेकिन अब उन्होंने महसूस किया कि पार्टी सिर्फ अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रही है, जिससे दिल्लीवासियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने में मुश्किलें आ रही हैं। ऐसे में उनके सामने पार्टी से अलग होने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था।

आप टकराव की राजनीति में व्यस्त रही, अच्छे गवर्नेंस और बेहतर राजनीति का दामन उसके हाथ से लगातार छूटता रहा। दिल्ली में पार्टी ने असंख्य मुद्दे उठाये लेकिन वह इन सबको आखरी मंजिल तक नहीं पहुंचा पायी। यह भविष्य ही बतायेगा कि कैलाश गहलोत का त्यागपत्र आम आदमी पार्टी को राजनीतिक रूप में महंगा पड़ेगा या नहीं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि उन्होंने अपने इस्तीफे में जिस तरह आप की गलत नीति एवं केजरीवाल की अति-महत्वाकांक्षाओं का जिक्र किया, वह अरविंद केजरीवाल के साथ-साथ पूरी आम आदमी पार्टी की साख को करारा आघात देने वाला है। यह एक तथ्य है कि आम आदमी पार्टी आज तक इस प्रश्न का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकी कि आखिर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री रहते अपने सरकारी आवास की साज-सज्जा पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने की क्या जरूरत थी? कैलाश गहलोत ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि ह्यआपह्न अपनी रीति-नीति से भटक गई है। केजरीवाल और उनके सहयोगी इससे सहमत नहीं होने वाले, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि आप की भ्रष्टाचार विरोधी राजनीतिक दल की छवि का बहुत अधिक क्षरण हुआ है। आप ने नई तरह की एवं मूल्यों की राजनीति करने के जो तमाम दावे किए थे, वे दावे यदि खोखले नजर आने लगे हैं तो इसके लिए अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगी अन्य किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। एक बड़ा सवाल है कि ह्यआपह्न के बिखराव एवं इस दुर्दशा के चलते क्या वह दिल्ली पर अपनी मजबूत पकड़ को क्या कायम रख पायेगी? क्या दिल्ली में भाजपा या अन्य दलों के लिये अब सत्ता तक पहुंचने की संभावनाएं बढ़ गयी है?

आप एवं उसकी सरकार के लिये अभी भी देर नहीं हुई है, जरूरत है कि वह जन मुद्दों के बीच प्राथमिकता तय करे। अनावश्यक टकराव से बचते हुए अपने इरादों को अमलीजामा पहनाये। जहां सत्ता में है, वहां अच्छा शासन दें और जहां विपक्ष में है, वहां ज्यादा रचनाशील और प्रतिरोधात्मक ताकत बने। एक बड़ा मुद्दा है कि वह नेतृत्व और सांगठनिक संरचना को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूत बनाये। अभी तक पूरी पार्टी अरविन्द केजरीवाल-केंद्रित है, वह पार्टी भले बन गई हो पर उसकी सांगठनिक संरचना एक ऐसे एनजीओ जैसी है, जिसका एक सर्वशक्तिमान निदेशक है और पूरा संगठन उसके निर्देश और रहमोकरम पर चलता है। यही कारण है कि एक से बढ़कर एक कद्दावर के आप नेता पार्टी छोड़ते रहे हैं। अगर आप को राजधानी दिल्ली के दायरे में या इस दायरे के बाहर अपनी सुसंगत राजनीति से लोगों को लंबे समय तक प्रभावित करना है तो कथनी और करनी में समानता दिखानी होगी। आप को अपना दोगलापन दूर करना होगा। आप के जीवन में सत्य खोजने पर भी नहीं मिलता। दोहरे मापदण्ड अपनाने के कारण आप की हर नीति, हर निर्णय एवं हर कथन समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा करता रहा है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करती, दिल्ली की जनता ने कई गुणा इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है। जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है।

देश में भीख मांगने और मंगवाने का धंधा हमारी आर्थिक वृद्धि का स्याह चेहरा पेश करता है!

अशोक भाटिया

हाल के समाचार पत्रों सुर्खिया बने एक समाचार ध्यान देने योग्य है। बिहार की पूर्णिया पुलिस ने एक बड़े नवजात बच्चा तस्करी गिरोह का पदार्फाश किया। इस गिरोह में शामिल एक महिला समेत तीन तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ये लोग एक नवजात बच्चे को एक लाख रुपये में बेचने वाले हैं। पुलिस ने जाल बिछाकर तीनों आरोपियों को धर दबोचा और बच्चे को बरामद कर लिया। दरअसल, पुलिस को पिछले एक महीने से शहर में नवजात बच्चा तस्करी गिरोह के सक्रिय होने की खबर मिल रही थी। पुलिस को एक फोन नंबर भी मिला था जिसके जरिये यह गैरकानूनी खरीद-फरोख्त की जा रही थी। पूर्णिया के एसपी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने जाल बिछाते हुए एक पुलिसकर्मी को ग्राहक बनाकर तस्करों से संपर्क साधा। तस्करों ने बच्चे को एक लाख रुपये में बेचने की बात तय की।यह तो एक उदहारण है जो अभी प्रकाश में आया है वर्ना ढूंढने पर ऐसे हजारों उदहारण बच्चों के खरीद बिक्री के मिल सकते है। बताया जाता है कि माँ झ्र बाप बव्च्चों को पैसे के लिए बेच देते है या गिरोहबाज बच्चों को चुराकर बेच देते है।

बड़ा अजीब लगता कि आज के युग में जब भारत के विकास की नई बुलंदियों को छूने और अंतरिक्ष की ओर कदम बढ़ाने के बीच देश के कई बड़े शहरों में ट्रैफिक सिग्नल और मेट्रो स्टेशनों के बाहर और कई शहरों में भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर मासूम बच्चों से लेकर नाबालिग लड़के-लड़कियों के जरिए भीख मांगने और मंगवाने का धंधा हमारी आर्थिक वृद्धि का स्याह चेहरा पेश करता है। कई रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई है कि बाल भिक्षावृत्ति का यह पूरा धंधा सुनियोजित ढंग से चल रहा है और भीख मांगने के लिए बच्चों को इस तरह से प्रशिक्षित किया जाता है कि वे लोगों का भावनात्मक स्तर पर फायदा उठा सके।हालांकि भिक्षावृति में लगे मासूम बच्चों को न ठीक से खाना मिल पाता है, न उनके उठने-बैठने और सोने का कोई ठौर होता है। ऐसे बच्चों के लिए शिक्षा तो दूर की कौड़ी है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के आंकडों के अनुसार, देश में 14 साल तक से 3,72,217 बच्चे भिक्षावृति में लगे हैं और खानाबदोश की जिंदगी जी रहे हैं। भिक्षावृति की स्थिति यह है कि एक पूरा गिरोह इसमें संलग्न है जो मौसम के हिसाब से लोगों की भावनाओं से खेलता है और भीषण गर्मी और कंपकपाती ठंड में छोटे-छोटे बच्चों का इस्तेमाल करता है।

अनेक मामलों में बच्चों के अंगभंग करने के आरोप सामने आये हैं। काफी संख्या में बच्चों का अपहरण कर इस धंधे में धकेलने की बात भी सामने आई है। बाल अधिकारों के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठन ह्यचेतनाह्ण ने ऐसे ही बच्चों को लेकर एक अध्ययन किया और उसमें इस तरह के पहलू सामने आए। इस संगठन के लोगों कई जगह भीख मांगने और सामान बेचने के काम में लगे बच्चों पर अध्ययन किया।ह्यचेतनाह्ण के निदेशक संजय गुप्ता का कहना है कि मुख्य रास्तों के सिग्नलों व धार्मिक स्थानों पर हजारों बच्चे ऐसे मिले जो भीख मांगने और सामान बेचने के काम में लगे हुए हैं। वे बताते है, ह्यबच्चों से भीख मंगवाने या उनके जरिए भीख मांगने का पूरा धंधा बहुत सुनियोजित है। इनमें बच्चों के साथ महिलाओं का भी इस्तेमाल होता है। अगर पुरुष भीख मांगेगे तो लोग उसे टोकने के अलावा पैसे देने से भी हिचकिचाते हैं। लोगों को भावुक बनाकर पैसे आसानी से निकलवाया जा सकता है। इस धंधे में शामिल लोग इसी भावनात्मक पहलू के सहारे धंधे को आगे बढ़ा रहे हैं।ह्ववे बताते है, ह्यहमारी पूरी पड़ताल में एक बात और सामने आई कि बाल भिक्षावृत्ति में शामिल लोगों में ज्यादातर राजस्थान के भीलवाड़ा क्षेत्र के हैं। वे बहुत समय पहले राजधानी में आए और धीरे-धीरे अलग अलग इलाकों में इस धंधे को जमा लिया।ह्णउनका कहना है, ह्यएक दिलचस्प बात और है कि सर्दियों और गर्मियों के दिनों में इनका धंधा अधिक फलता-फूलता है। कंपकपाती ठंड और भीषण गर्मी में अगर कोई महिला छोटे बच्चे को लेकर भीख मांगती है तो अधिकतर लोगों का दिल पसीज जाता है और वे पैसे दे देते हैं। हमें यह भी लगा कि जो महिलाएं बच्चे लिए रहती हैं उनमें से अधिकांश के अपने बच्चे भी नहीं होते।

वैसे, इन बच्चों और महिलाओं से बात की जाए तो वे इसी बात पर जोर देते हैं कि वे मजबूरी में भीख मांगते हैं। दिल्ली के जसोला मेट्रो स्टेशन पर छोटे बच्चे को लेकर भीख मांग रही एक महिला ने कहा, ह्यहम झारखंड से आए हैं। बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए ऐसा करना पड़ रहा है।ह्ण बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ संशोधित किशोर न्याय कानून में कड़ा प्रावधान किया गया है। अब राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) बच्चों से भीख मंगवाने की इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर मुहिम शुरू करने जा रहा है और इसकी शुरूआत देश की राजधानी दिल्ली से ही होगी।

ज्ञात हो कि भारत के संविधान में भीख मांगने को अपराध कहा गया है। फिर देश की सड़कों पर एक करोड़ बच्चे भीख आखिर कैसे मांगते हैं? बच्चों का भीख मांगना केवल अपराध ही नहीं है, बल्कि देश की सामाजिक सुरक्षा के लिए खतरा भी है। हर साल कितने ही बच्चों को भीख मांगने के ह्यधंधेह्ण में जबरन धकेला जाता है। ऐसे बच्चों के आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने की काफी आशंका होती है।बहुत से बच्चे मां-बाप से बिछड़कर या अगवा होकर बाल भिखारियों के चंगुल में पड़ जाते हैं। फिर उनका अपने परिवार से मिलना बेहद मुश्किल हो जाता है। पुलिस रेकॉर्ड के अनुसार, हर साल 44 हजार बच्चे गायब होते हैं। उनमें से एक चौथाई कभी नहीं मिलते। कुछ बच्चे किसी न किसी वजह से घर से भाग जाते हैं। कुछ को किसी न किसी वजह से उनके परिजन त्याग देते हैं। ऐसे कुल बच्चों की सही संख्या किसी को नहीं मालूम !ये तो पुलिस में दर्ज आंकड़े हैं। इनसे कई गुना केस तो पुलिस के पास पहुंचते ही नहीं। फिर भी, हर साल करीब 10 लाख बच्चों के अपने घरों से दूर होकर अपने परिजन से बिछड़ने का अंदेशा है। उन बच्चों में से काफी बच्चे भीख मंगवाने वाले गिरोहों के हाथों में पड़ जाते हैं। यानी हर साल हजारों गायब बच्चे भीख के धंधे में झोंक दिये जाते हैं। इन बच्चों का जीवन ऐसी अंधेरी सुरंग में कैद होकर रह जाता है, जिसका कोई दूसरा छोर नहीं होता। इनसे जीवन की सारी खुशियां छीन ली जाती हैं।

भारत में ज्यादातर बाल भिखारी अपनी मर्जी से भीख नहीं मांगते। वे संगठित माफिया के हाथों की कठपुतली बन जाते हैं। तमिलनाडु, केरल, बिहार, नई दिल्ली और ओडिशा में यह एक बड़ी समस्या है। हर आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों का ऐसा हश्र होता है। इन बच्चों के हाथों में स्कूल की किताबों की जगह भीख का कटोरा आ जाता है। बाल अधिकारों के ऐक्टिविस्ट स्वामी अग्निवेश का कहना है, ह्यभारत में भीख माफिया बहुत बड़ा उद्योग है। इससे जुड़े लोगों पर कभी आंच नहीं आती। इस मामले में कानून बनाने वालों और कानून तोड़ने वालों की हमेशा मिलीभगत रहती है। इन हालात से निपटने के लिए सिस्टम को ज्यादा जवाबदारी निभानी चाहिए।ह्णभारत के मानवाधिकार आयोग की रपट के मुताबिक, हर साल जो हजारों बच्चे चुराये जाते हैं या लाखों बच्चे गायब हो जाते हैं, वे भीख मांगने के अलावा अवैध कारखानों में अवैध बाल मजदूर, घरों या दफ्तरों में नौकर, पॉर्न उद्योग, वेश्यावृत्ति, खाड़ी के देशों में ऊंट दौड़, अंग बेचने वाले माफिया, अवैध रूप से गोद लेने और जबरन बाल विवाह के जाल में फंस जाते हैं।ऐसे मामलों तब बड़ा अजीब लगता है जब राजनीतिक दल मौन धारण कर लेते है और सामाजिक संस्थाओं को ही आगे बढ़ना पड़ता हैं।

मुंबई क्रिकेट का भारतीय क्रिकेट में योगदान

भारतीय क्रिकेट के विकास में मुंबई की अहम भूमिका रही है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल के विकास में बहुत योगदान दिया है। मुंबई के कई बेहतरीन क्रिकेटर भारत के लिए खेल चुके हैं। उसी तरह से उन्होंने हर बार भारतीय क्रिकेट टीम के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। कई क्रिकेटर तो भारत का नेतृत्व करने तक से आगे निकल गए हैं। मुंबई में क्रिकेटर भी हर पीढ़ी के आदर्श को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। क्रिकेट के लिए असंख्य लोगों की महान भागीदारी और महान योगदान से समय-समय पर उभरते क्रिकेटरों को लाभ हुआ है। कई लोग क्रिकेट के प्रति अपने समर्पण के लिए जाने जाते हैं और प्रसिद्ध हैं। आइए देखें कि मुंबई क्रिकेट ने भारतीय क्रिकेट के विकास में कैसे योगदान दिया है:

घरेलू क्रिकेट में ऐतिहासिक परंपरा और प्रभुत्व

मुंबई की क्रिकेट परंपरा ब्रिटिश काल से चली आ रही है, जिसमें कई भारतीय क्रिकेटर शामिल थे। इसमें प्रमुख रूप से मुंबई के क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया। मुंबई को भारतीय क्रिकेट का पावरहाउस कहा जाता है। मुंबई की टीम ने रिकॉर्ड संख्या में रणजी ट्रॉफी (भारत का प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट) जीता है। इस प्रभुत्व ने घरेलू क्रिकेट में उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है। रणजी कप में मुंबई क्रिकेट का कई सालों से दबदबा रहा है।

स्कूल स्तर पर क्रिकेट का विकास

मुंबई में स्कूलों, कॉलेजों और क्रिकेट अकादमियों में उच्च गुणवत्ता वाली क्रिकेट खेलने के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा है। यहां युवा प्रतिभाओं को कम उम्र में ही पहचान मिल जाती है और उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। कई उभरते खिलाड़ियों ने स्कूल और कॉलेज टूर्नामेंटों की शोभा बढ़ाई है, ऐसे टूर्नामेंटों से कई अच्छे क्रिकेटर मुंबई टीम के लिए खेले हैं और बाद में वे खिलाड़ी अपने देश के लिए भी खेले हैं। इसी तरह, विभिन्न आईपीएल टीमों में हम ऐसे खिलाड़ियों को भी देखते हैं जिन्होंने मुंबई क्रिकेट से पदार्पण किया है, लेकिन उनमें से कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने स्कूल प्रतियोगिताओं के माध्यम से मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से लाभ उठाया है। हैरिस शील्ड, गाइल्स शील्ड जैसी स्कूली प्रतियोगिताएँ नियमित रूप से खेली जाती हैं और ये प्रतियोगिताएँ अत्यधिक प्रतिस्पर्धी होती हैं। सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी भी ऐसे टूर्नामेंट में खेल चुके हैं.

आदर्श खिलाडियो का का योगदान

मुंबई ने भारत के कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों को जन्म दिया है, जिनमें सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर, अजीत वाडेकर, सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा जैसे दिग्गज शामिल हैं, जिन्होंने पीढ़ियों को प्रेरित किया है। स्थानीय लीग से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट तक इन खिलाड़ियों की सफल यात्रा युवा क्रिकेटरों को खेल में अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

तकनीकी अनुशासन और शैली

मुंबई ने हमेशा तकनीकी रूप से सक्षम बल्लेबाज और अनुशासित खिलाड़ी तैयार किए हैं। मुंबई के क्रिकेटरों का ₹खडूस दृष्टिकोन₹, जो धैर्य और दृढ़ता को महत्व देता है, भारतीय क्रिकेट की शैली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। मुंबई के खिलाड़ी धैर्य, तकनीकी कौशल और दृढ़ता के लिए जाने जाते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों में भी वही रवैया पैदा करता है।

प्रशिक्षण अवसंरचना और क्रिकेट संस्कृति

मुंबई में कई क्रिकेट क्लब, जिमखाना और प्रसिद्ध अकादमियाँ हैं। कांगा लीग जैसे प्रसिद्ध टूर्नामेंट भी मुंबई में खेले जाते हैं और अच्छे गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण केंद्र हैं जहां कई गुणवत्ता वाले खिलाड़ी तैयार किए गए हैं। कांगा लीग जैसी लीग युवा खिलाड़ियों को नियमित मैचों का अभ्यास करने और विभिन्न परिस्थितियों का अनुभव करने की अनुमति देती है, जिससे उनके कौशल में सुधार होता है।

प्रशासन और नेतृत्व में योगदान

मुंबई ने भारतीय क्रिकेट प्रशासन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, शहर से कई प्रभावशाली प्रशासक और चयनकर्ता उभरे हैं।

अजीत वाडेकर और सुनील गावस्कर जैसे मुंबई के कई खिलाड़ियों ने भारत का नेतृत्व किया है और टीम की सफलता में बहुत योगदान दिया है। यह नेतृत्व आज भी राष्ट्रीय टीम को प्रभावित कर रहा है।

संक्षेप में, मुंबई क्रिकेट ने न केवल महान खिलाड़ी तैयार किए हैं, बल्कि एक क्रिकेट संस्कृति भी बनाई है, जो तकनीकी कौशल, अनुशासन और दृढ़ता को महत्व देती है। यह विरासत भारतीय क्रिकेट को मजबूत बनाए रखती है और देश भर के युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करती है। मुंबई के क्रिकेट कोच भारत में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन पर किसी भी राजनीतिक व्यक्ति का बहुत अधिक प्रभाव नहीं होना चाहिए। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के विभिन्न पदों पर क्रिकेट के विशेषज्ञ, पूर्व खिलाड़ी काम करते रहें, मैं चाहता हूं कि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन जैसी संस्था पर कोई राजनीतिक व्यक्ति सीधे तौर पर हावी न हो ! फिलहाल मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की कमान बहुत अच्छे लोगों के हाथों में है। कई क्रिकेटरों का मानना ??है कि भविष्य में भी इसमें कोई राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए !! आने वाले समय में यानी भविष्य में भी मुंबई क्रिकेट के माध्यम से सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर, रवि शास्त्री, सचिन तेंदुलकर, अजीत अगरकर और रोहित शर्मा जैसे नेतृत्व गुणों वाले खिलाड़ी तैयार हों, यह खेल प्रेमियों की चाहत है।

-डॉ. गोकुलसिंह गिरासे, क्रिकेट कमेंटेटर

जंक फूड और बच्चे

जंक फूड बच्चों की सेहत के लिए काफी नुकसानदायक होता है।

जेसे कि -1) मोटापा

बच्चे अगर जंक फूड खाते है, तो वह मोटापे का शिकार भी हो सकते है। क्योंकि जंक फूड में काफी मात्रा में फैट मौजूद होता है, जो शरीर के लि हानिकारक होता है। जंक फूड में मौजूद फैट मोटापा बढ़ाने के साथ कई बीमारियों को भी जन्म देता है।

2) डायबिटीज का खतरा

जंक फूड की खपत में वृद्धि ने दुनिया भर में टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी की है। भारत में डायबिटीज से पीड़ित 101 मिलियन लोग हैं। इनमें 12-18 साल के बच्चे भी शामिल हैं। दुनिया के लोग खान-पान खराब आदतों की वजह इस डायबिटिज से ग्रस्त हो रहे हैं। हालांकि, हेल्दी डाइट, सही लाइफस्टाइल का पालन करके लोग स्वस्थ रह सकते हैं।

3) दांतों में सड़न

जंक फूड खाने की वजह से बच्चों के दातों में सड़न की समस्या भी पैदा हो सकती हैं। क्योंकि जंक फूड अधिकतर दांत के चिपक जाते है। जिस कारण धीरे -धीरे दांत खराब होने लगते है। चॉकलेट, कैंडी और बिस्किट आदि में काफी मात्रा में शुगर पाई जाती हैं, जो दांत खराब होने का कारण बनती है।

4) थकान और सुस्ती-

जंक फूड भूख को तो मिटाता है, लेकिन शरीर को जरूरी पोषण देने में असमर्थ रहता है। जंक फूड में सिर्फ काबोर्हाइड्रेड, शुगर और फैट होता है, जिससे वजन बढ़ता है, शरीर को तात?कालिक ऊर्जा मिलती है, लेकिन पोषण नहीं मिल पाता है। इससे शरीर लंबे समय में सुस्त हो जाता है और थकान रहने लगती है।

बच्चों में जंक फूड की आदत कैसे कंट्रोल करें

1) बच्चों के लिए रोल मॉडल खुद बनें

बच्चें अपने बड़ो को देखकर ही सीखते हैं, जैसी आदतें आप अपनाते हैं बच्चे की उन्हीं आदतों को अपनाने की कोशिश करते हैं। इसलिए बच्चों के सामने जंक फूड का सेवन नहीं करें। आपको जंक फूड खाते देख बच्चे भी यही आदत बनाने की कोशिश करेंगे। बच्चों को हेल्दी आदत डालने के लिए उनके सामने केवल हेल्दी चीजे खाएं, उन्हें हेल्दी खाने के फायदे बताएं, इससे बच्चे धीरे-धीरे हेल्दी खाना शुरू करेंगे।

2) जिद्द करने पर जंक फूड ऑफर न करें

कई बार पैरेंट्स बच्चों के जिद्द करने या एक रिवार्ड के लिए तौर पर उन्हें बार-बार जंक फूड दिला देते हैं। लेकिन यह आदत बच्चों में जंक फूड की लत को बढ़ा सकती है, जिसे बाद में कंट्रोल करना मुश्किल भी हो सकता

3)घर पर हेल्दी खाने की आदत बनाएं

अगर बच्चे बार-बार बाहर का खाने की जिद करते हैं, तो उन्हें घर पर ही फास्ट फूड बनाकर खिलाएं। घर में जंक फूड तैयार करने के दौरान आप उसे अपने मुताबिक हेल्दी बना सकते हैं। इससे बच्चे बाहर का खाने के बजाय घर में खाना ज्यादा पसंद करेंगे।

4) बच्चों के साथ बैठकर खाएं

बच्चों को जंकफूड की आदत से दूर

रखना है तो घर में डिनर, लंच, ब्रेकफास्ट पर साथ खाने का नियम बनाएं। घर के किसी एक कोने में बैठकर सब साथ में खाएंगे तो घर के बने हेल्दी खाने को खाने के लिए बच्चों को इंस्पिरेशन मिलेगी। हर दिन बच्चों के साथ एक निश्चित समय पर बैठकर खाएं। इससे बच्चों को अपनी भूख का पता चलेगा और वो पेट भरकर खाना खाएंगे। बच्चों का पेट भरने से उन्हें जंकफूड खाने की याद कम आएगी।

5) हेल्दी आदतें जरूरी है

बच्चों को बाहर गेम खेलने, पढ़ने, डांस, म्यूजिक जैसी चीजों में व्यस्त रखें। कई बार बच्चे बोर होने या खाली बैठने की वजह से ज्यादा खाते हैं और अनहेल्दी फूड्स की तरफ आकर्षित नही होगे

Written by
Dr Mona trivedi (mumbai)
Nutritionist

मंहगाई और बेरोगारी की मार, देश की जनता करे पुकार?

-विक्रम दयाल

-विक्रम दयाल

आज देश के कुछ राज्यों में चुनाव होरहें हैं. पक्ष और विपक्ष की दोनों पार्टियाँ चुनाव जीतने के लिए एड़ी चोटी की शक्ति लगाते हुए अपनी अपनी पार्टियों को चुनाव जीतने का प्रचार कर रहें हैं. जनता की तकलिफों पर कोई नही बोल रहा है. जनता की तकलीफ मंहगाई से जुड़ी हुई है. खाने पीने की हर वस्तुओं मंहगी से मंहगी होती जारही है. रसोई घर का वजट दूना होगया है, और डगमगा गया है. अनाज सब्जियाँ, जो नित्य रसोई घर में इस्तेमाल होते आरही हैं सबके दाम बढ़ते चले जारहे हैं. टमाटर, आलू, प्याज, के दाम आसमान पर हैं. गरीबों को आज भाजियों का स्वाद फीका लगने लगा है. देश में होने वाला चुनाव हो रहाहै. कौन जीतेगा? किसके हाथ में सत्ता जायेगी वहतो वक्त ही बतायेगा? देश में निरंतर हो रहे विकास कार्यों के बावजूद आज मंहगाई और बेरोजगारी एक समस्या बनकर उभरती जारही है। बहुत से लोग उच्च शिक्षा ग्रहण कर लेने के बावजूद भी इधर उधर अच्छी नौकरी के तलाश में अब भी भटक रहें हैं। जो लोग कम पढे. लिखें हैं ओ लोग भी निम्न स्तर की नौकरियाँ या कार्य करते हुए आज अपना गुजारा कर रहें हैं। केवल पेट ही भरने की बातें नही है, उन लोंगों के उपर अपने परिवार को पालने और चलाने के लिए कठोर परिश्रम करना पड़ता है? कोई भूखे पेट रहकर काम नही कर सकता है. कुछ भी कहिए? मंहगाई लोगों की कमर तोड़ रही है. छोटे बच्चों की स्कूल की फीस, युनीफार्म, स्कूल बस के खर्च, किताबें और कांपियाँ, अन्य घर और पारिवारिक खर्चों को पूरा करने के लिए पैसों की ही जरूरत पडती है। खाने पीने की वस्तुएँ, अनाज और तेल, पेट्रोल, डीजेल, रसोंई गैस, दाल, भांजी, चावल इत्यादि हर जीवनोपयोगी वस्तुओं में आग लगती चली जा रही है. सबकी कीमतें बेतहाशा बढ़ती जारही है. आजकल के समय में बढ़ती हुई मंहगाई के साथ ही दूसरी जटिल समस्या बेरोजगारी की भी है। जितनी रफ्तार से आज मंहगाई बढ़ रही है, उतनी ही रफ्तार से बेरोजगारी भी बढ़ रही है। बहुत सारी छोटी बड़ी कंपनियों में ताले लगे पड़े हैं। शहरों के सड़कों की पटरियों पर धंधे करने वालों के धंधे भी बंद होते जारहे हैं। क्यों कि पैदल चलने वालों को तकलीफें, और असुविघा न उठानी पडे, शहरों के रास्ते साफ-सुतरें रहें, और पैदल चलने वालों को कोई कठिनाई न उठानी पड़े. धंधे तो उन्हीं सड़कों पर चलते हैं, जिन रास्तों से आम लोंगों का आना जाना अधिक से अधिक होता है। सरकार की नजर में मंहगाई और बेरोजगारी की कोई समस्या ही नही है. सरकार मंहगाई और बेरोजगारी पर बात नही करती है. क्यों कि देश का विकास हो रहा है. सरकार चलाने वाले मंत्रियों को अनाज, खाद्य सामाग्री, भांजी इत्यादि की जरूरत ही नही पड़ती है. उनके परिवार में और बच्चों पर मंहगाई का कोई असर ही नही है. इसलिए सरकार में बैठे हुए नेता लोग मंहगाई पर बात नही करते हैं. वे लोग सदा खुशहाल पूर्वक अपना परिवारिक जीवन जी रहे हैं. इसलिए कहना पड़ता है, देश की ऐसी समस्यायों पर सभी नेताओं का ध्यान जाना चाहिए ?

मंहगाई और बेरोजगारी की समस्यायें शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक है। ग्रामीण लोग भी नौकरी के लिए या नौकरी पाने के लिए इस शहर से उस शहर तक नित्य दौड़ लगाते रहते हैं। नौकरी की समस्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। पढे. लिखे और कम पढे. लिखे दोनों ही परेशान है। किसी के पैर स्थाई रूप से कहीं नही टिक पारहें हैं।

सरकारी कार्यालयों में अब नवीन भर्तियाँ कम होने लगी है। जरूरत पड़ने पर अब कंट्रैक्ट पर कर्मचारी लिए जारहें हैं। स्थाई नौकरियाँ खत्म होती जारही हैं। शिक्षित लोगों की इज्जत खत्म होने लगी है। क्यों कि पढ़ लिख कर वह घर पर ही बैठे हैं या गुजारा करने के लिए कोई छोटे मोटे काम करने लगे हैं। इसतरह देश में अब बेरोजगारी की भी समस्यायें उत्पन्न होने लगी है।

खाद्य समाग्रियों की कीमतों में भी काफी वृद्धि होने से महंगाई पर सीधा असर पड़ा है। देश में बातें विकास पर ही होती रहती है। कभी भी मंहगाई और बेरोजगारी पर चचार्ये नही होरही हैं। मंहगाई और बेरोजगारी की मार गांव और शहर दोनों तरफ है। आजकल सभी का ध्यान तीव्र गति से विकास की तरफ ही आकर्षित किया जारहा है। मंहगाई और बेरोजगारी पर चचार्ये कभी नही होती है। देश में मंहगाई और बेरोजगारी पर चचार्ये होनी चाहिए और इसके निवारण हेतु कोई ठोस कदम आज उठाने की जरूरत है।

जितनी रफ्तार से आज मंहगाई बढ़ रही है, उतनी ही रफ्तार से बेरोजगारी भी बढ़ रही है। बहुत सारी छोटी बड़ी कंपनियों में ताले लगे पड़े हैं। शहरों के सड़कों की पटरियों पर धंधे करने वालों के धंधे भी बंद होते जारहे हैं। क्यों कि पैदल चलने वालों को तकलीफें, और असुविघा न उठानी पडे, शहरों के रास्ते साफ-सुतरें रहें, और पैदल चलने वालों को कोई कठिनाई न उठानी पड़े. धंधे तो उन्हीं सड़कों पर चलते हैं, जिन रास्तों से आम लोंगों का आना जाना अधिक से अधिक होता है। सरकार की नजर में मंहगाई और बेरोजगारी की कोई समस्या ही नही है.

जी 5 ने अबीगैल पांडे और ऋषभ चड्ढा अभिनीत नई रोमांटिक कॉमेडी ओरिजिनल सीरीज, डिवोर्स के लिए कुछ भी करेगा की घोषणा की

मुंबई। जी5 नई रोमांटिक कॉमेडी सीरीज डिवोर्स के लिए कुछ भी करेगा के साथ हंसी का माहौल को पूरी तरह से बढ़ाने के लिए तैयार है। इस मजेदार शो का निर्देशन प्रतिभाशाली अंकुश भट्ट ने किया है और इसे शोभना देसाई प्रोडक्शंस और जी स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है, इसका ट्रेलर आज रिलीज किया गया। अभिनेता अबीगैल पांडे और ऋषभ चड्ढा आपको एक रोमांचक सफर पर ले जाने और काम, परिवार, शादी और तलाक की जटिलताओं को समझाने के लिए तैयार हैं। यह शो 29 नवंबर से विशेष रूप से एए5 पर प्रसारित होगा! डिवोर्स के लिए कुछ भी करेगा' का ट्रेलर भ्रम और जटिलताओं के मेल को दिखाता है, जो गलतियों को पूरी तरह से कॉमेडी की ओर ले जाता है। यह सीरीज निक्की (पांडे द्वारा निभाया गया किरदार) और आशु (ऋषभ चड्ढा द्वारा निभाया गया किरदार) की शरारतों का अनुसरण करती है, जो दो ऐसे पत्रकार हैं जिनके व्यक्तित्व और पृष्ठभूमियाँ बिल्कुल अलग हैं। एक शादी कोर्ट के घोटाले की जांच का जिम्मा मिलने पर वे अंडरकवर जाकर एक फर्जी शादी के लिए आवेदन करते हैं। लेकिन जब उन्हें पता चलता है कि उनकी शादी कानूनी रूप से मान्य है, तो हंगामा मच जाता है! जब वे अपने अंडरकवर मिशन को पूरा करने के साथ-साथ अपनी नई परिस्थिति की चुनौतियों का मजाकिया ढंग से सामना करते हैं, तो वे हास्यपूर्ण दुर्घटनाओं के भंवर में फंस जाते हैं जो आपको हंसाते रहेंगे। लेकिन आखिर में, क्या वे तलाक लेने का रास्ता ढूंढ पाएंगे? निर्देशक अंकुश भट्ट ने कहा, 'डिवोर्स के लिए कुछ भी करेगा' को जीवंत करना एक अविश्वसनीय अनुभव है। इस सीरीज के लिए मेरी सोच एक अनपेक्षित प्रेम की खूबसूरत कहानी को प्रस्तुत करना था, और मुझे उम्मीद है कि हमने इसे सफलतापूर्वक किया है। मेरा मानना है कि यह सीरीज दर्शकों के साथ जुड़ाव बनाएगी, और सीरीज के दिल को छू लेने वाले क्षण दर्शकों को यह याद दिलाएंगे कि प्यार आपको तब मिलता है जब आप इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं करते। अबीगैल पांडे ने कहा, मैं इस सीरीज का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हूँ! इसकी कहानी कॉमेडी और अप्रत्याशित मोड़ों का एक शानदार मिश्रण है, और मुझे अपने किरदार की यात्रा को निभाना बहुत पसंद आया। इतनी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है, और मैं दर्शकों को यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि सब कुछ कैसे सामने आता है। यह सीरीज हास्य और दिल को छू लेने वाले पलों से भरी हुई है, और मैं दर्शकों को हमारे साथ इस रोमांचक सफर पर जाने के लिए उत्सुक हूँ।

एसपीजेआईएमआर ने छोटे कारोबारियों के लिये सशक्त प्रोग्राम लॉन्च किया

मुंबई। भारतीय विद्या भवन के एस.पी. जैन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड रिसर्च (एसपीजेआईएमआर) के सेंटर फॉर फैमिली बिजनेस एण्ड आंत्रप्रेन्योरशिप (सीएफबीई) ने सशक्त को लॉन्च किया है। सशक्त समुदायों पर केन्द्रित एक नई पहल है, जो मुंबई के अंधेरी के-वेस्ट वार्ड में वंचित पृष्ठभूमि के छोटे कारोबारियों (एसबीई) को सशक्त करना चाहती है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 से शुरू हो रहा है और मार्च 2025 तक चलेगा। इसमें उन उद्यमियों की मदद के लिये महत्वपूर्ण ज्ञान तथा कौशल प्रदान किया जाएगा, ताकि वे स्थायी व्यवसाय बनाएं और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत करें। सशक्त 25 से 30 साल के उन स्थानीय उद्यमियों के लिये है, जो छोटे उपक्रम चला रहे हैं। एसपीजेआईएमआर के अभ्युदय प्रोग्राम से चुने जाने पर इन लोगों को मुफ्त शिक्षा तथा मेंटरशिप का फायदा मिलेगा, जोकि वंचित समुदायों के युवाओं पर लक्षित है। तीन महीने का संरचित पाठ्यक्रम हिन्दी में पढ़ाई के व्यावहारिक एवं प्रत्यक्ष सत्रों से सिखाया जाएगा। इस प्रकार पाठ्यक्रम की सुलभता तथा प्रासंगिकता सुनिश्चित होगी। हर सत्र में महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाएगा, जैसे कि वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग, परिचालन एवं नेतृत्व, ताकि इन्हें पढ़ने वालों को सफलता के लिये आवश्यक साधन मिल सकें। एसपीजेआईएमआर नेटवर्क के शिक्षक तथा भूतपूर्व छात्र निजी तौर पर मेंटरशिप देकर प्रतिभागियों का सहयोग करेंगे, ताकि वे व्यवसाय के सम्बंध में अपनी-अपनी चुनौतियों से उभर सकें और तरक्की के लिये कदम बढ़ा सकें।

शैफलर इंडिया ने संवहनीयता एवं नवाचार के लिये ह्यसोशल इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम के विजेताओं को सम्मानित किया

मुंबई। प्रमुख मोशन टेक्नोलॉजी कंपनी शैफलर इंडिया ने बडी4स्टडी फाउंडेशन के सहयोग में शैफलर इंडिया सोशल इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम के 2024 संस्करण के विजेताओं की घोषणा कर दी है। इसका लक्ष्य अनूठे संवहनीय समाधानों को विकसित कर रहे सामाजिक उद्यमियों का सम्?मान करना और उन्हें इनाम देना है। इन समाधानों में समाज का बड़े पैमाने पर कल्याण करने और उस पर सकारात्मक असर डालने की क्षमता होनी चाहिये। यह शैफलर इंडिया की प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) की पहल होप का भी हिस्सा है। इससे स्वास्थ्यरक्षा, पेशेवर कौशल विकास, धरोहर तथा पर्यावरण के संरक्षण और समाज के सशक्तिकरण के लिये कंपनी की प्रतिबद्धता मजबूत होती है। अपने तीसरे संस्करण में इस साल के फेलोशिप प्रोग्राम ने विभिन्न संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, गैर-लाभकारी संगठन और शुरूआती अवस्था के स्टार्टअप्स के 18 से 35 साल के आवेदकों को आमंत्रित किया था । उन्हें छह महत्वपूर्ण कैटेगरीज में अपने आइडिया और प्रोटोटाइप सॉल्यूशंस पेश करने थे। इनमें पर्यावरणीय स्थिरता, नवीकरण-योग्य ऊर्जा, कार्बन न्यूट्रैलिटी, चक्रीय अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और सामाजिक क्षेत्र में टेक्नोलॉजी का प्रयोग शामिल था।

अनोखा भैरव अष्टमी महोत्सव, 2024 तरह की मिठाइयों का भोग, 84000 वर्ग फुट की रंगोली का विश्व रिकॉर्ड

मुंबई/पटना। अखिल भारतीय बटुक भैरव भक्त मंडल एवं पार्श्व पद्मावती शक्ति पीठ धाम, कृष्णगिरि, तमिलनाडु के पीठाधीश्वर, डॉ. वसंत विजय जी महाराज के सानिध्य में, मध्य प्रदेश के नीमच में आयोजित 9 दिवसीय भैरव अष्टमी महोत्सव में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित हुआ है, जहाँ भैरव देव को २०२४ प्रकार की मिठाइयां भोग के रूप में अर्पित की गई है। ऐसा भव्य महोत्सव एवं २०२४ प्रकार की मिठाइयों के भोग का यह अनूठा विश्व रिकॉर्ड देश विदेश की 50 विविध संस्थाओं में दर्ज किया जाएगा।

साथ ही इस महोत्सव के दौरान एक अन्य विश्व रिकॉर्ड कायम हुआ, जहाँ ८४००० वर्ग फुट की विशाल रंगोली बनाई गई जिसमे भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक गुरुओं और राष्ट्र नायकों के चित्र उकेरे गए। राष्ट्र संत डॉ. वसंत विजय जी महाराज ने नवरात्री के बाद 9 दिसवसीय भैरव अष्टमी महोत्सव के महत्व को बताते हुए कहा, ह्भैरव अष्टमी पर आयोजित कष्ट हरण महायज्ञ एवं कथा साधना का विशेष महत्त्व होता है। इस भव्य भैरव अष्टमी महोत्सव के आयोजन द्वारा हमारा उद्देश्य भारत को संभावित आर्थिक संकट और महामारी के प्रभाव से सुरक्षा हेतु शिव स्वरुप भैरव देव से प्रार्थना करना है।

नितिन गडकरी-देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में डाले वोट, कहा- महायुति की आएगी सरकार

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को महाराष्ट्र को देश में प्रगति और समृद्धि का प्रतीक बताया और लोगों से लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गडकरी ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ महाल क्षेत्र के टाउन हॉल में वोट डाला और विश्वास जताया कि 'डबल इंजन' सरकार (केंद्र और राज्य में बीजेपी के नेतृत्व वाली) महाराष्ट्र में सत्ता बरकरार रखेगी।मतदान के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने इसे लोकतंत्र की आधारशिला बताया। उधर, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी नागपुर में वोट डाला और मतदाताओं विशेषकर महिलाओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान हमारा मौलिक अधिकार है। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे घरों से निकलकर मतदान करें। मतदान प्रतिशत बढ़ने से हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। महाराष्ट्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए गडकरी ने राज्य को भारत में प्रगति और समृद्धि का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) के मामले में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। उन्होंने यह भी बताया कि महाराष्ट्र में औद्योगिक विकास और कृषि क्षेत्र में शानदार प्रगति हुई है, जिसमें निर्यात भी शामिल है।

गडकरी ने विश्वास जताया कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति इस बार अच्छा बहुमत हासिल करेगी। चुनाव प्रचार के दौरान कुछ भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए नारे 'बंटेंगे तो कटेंगे' के बारे में पूछे जाने पर गडकरी ने लोगों से राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इसे एक तरफ रखिए और महाराष्ट्र की प्रगति के लिए मतदान पर ध्यान दीजिए। राज्य के हर कोने में विकास दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने महाराष्ट्र को एक बेहतर राज्य में बदल दिया है। डबल इंजन वाली सरकार एक बार फिर लौटेगी।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी नागपुर में वोट डाला और मतदाताओं विशेषकर महिलाओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि मैं अपनी 'लाडली बहनों' से वोट डालने की अपील करता हूं। लोकतंत्र में सरकार से आपकी कुछ अपेक्षाएं होती हैं। जो लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, उन्हें अपनी मांगों पर जोर देने का अधिक अधिकार है। फडणवीस ने मतदान प्रतिशत में वृद्धि के बारे में आशा व्यक्त की तथा पिछले चुनावों की तुलना में मतदान केंद्रों में सुधार पर प्रकाश डाला।

अंधेरी (पूर्व) विधानसभा से शिवसेना महायुति के उम्मीदवार मुरजी पटेल ने बुधवार की सुबह सपरिवार अपने मतदान केंद्र में मतदान किया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम महिला बाल विकास आयोग, विधानसभा चुनाव 2024 - महाराष्ट्र : लोकतंत्र के प्रति आयोग का योगदान

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में चल रहे विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान, राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम् महिला बाल विकास आयोग के शीर्ष नेतृत्व ने अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करते हुए लोकतंत्र को सशक्त करने का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। आयोग के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और समाज को जागरूकता का संदेश दिया कि देश की प्रगति में हर एक नागरिक की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दयाराम मिश्रा, संस्थापिका श्रीमती शांतिदेवी मिश्रा, राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती अक्षता भट, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती आँचल मिश्रा, तथा मुख्यमहासचिव डॉ. रविंद्र मिश्रा ने पूरे परिवार के साथ मतदान प्रक्रिया में भाग लिया। यह कार्यक्रम न केवल उनके कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि वे अपने कार्यों के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं।इस अवसर पर डॉ. रविंद्र मिश्रा ने अपने विचार साझा करते हुए कहाः ऱ्मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी है। जब देश के हर नागरिक यह जिम्मेदारी निभाएगा, तभी लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होंगी। हमारा संदेश यही है कि हर व्यक्ति अपने मताधिकार का प्रयोग करे और अपने देश के भविष्य निर्माण में सहभागी बने।ऱ्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दयाराम मिश्रा ने कहाः ऱ्आज का दिन देश के लिए समर्पण का दिन है। हर व्यक्ति का वोट ही उसके अधिकार और देश की दिशा तय करता है। हमारा यह कदम देश के नागरिकों को प्रेरित करने के लिए है कि वे भी अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता दें।ऱ्संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती अक्षता भट ने महिलाओं और युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करते हुए कहाः ऱ्महिलाएं और युवा समाज का भविष्य हैं। जब वे मतदान करेंगे, तो

देश का विकास सुनिश्चित होगा। इस प्रक्रिया में उनकी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम् महिला बाल विकास आयोग ने इस महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया के दौरान आम जनता से अपील की है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। लोकतंत्र की मजबूती और राष्ट्र के विकास के लिए यह सबसे अहम कदम है। आयोग ने यह भी कहा कि सभी मतदाता भयमुक्त और निष्पक्ष होकर मतदान करें।यह प्रयास समाज में जागरूकता बढ़ाने और हर नागरिक को अपने कर्तव्यों का स्मरण कराने का एक महत्वपूर्ण कदम है। लोकतंत्र की सफलता तभी संभव है जब हर नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों का संतुलन बनाए रखे।

मतदान बढ़ाने के लिए मतदान को सख्त बनाने वाला कानून बनाया जाय- केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मतदान प्रतिशत काफी कम हो रहा है। हाल के चुनावों में शहरी इलाकों में भी मतदान प्रतिशत कम रहा है। वहीं जम्मू कश्मीर और गढ़चिरौली जैसे दूरदराज के इलाकों में मतदान प्रतिशत बढ़ रहा है ।जबकि मतदान के लिए छुट्टी दी गई। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदान सख्त कानून पारित किया जाना चाहिए ।उपरोक्त विचार रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने बुधवार को व्यक्त किया।

मतदान केंद्र 1000 मतदाताओं के स्थान पर 500 मतदाताओं की क्षमता वाला एक छोटा मतदान केंद्र होना चाहिए ताकि मतदान के लिए

बड़ी कतार न लगे। इसके साथ ही मतदान यह राष्ट्रीय कर्तव्य है जिन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया उन लोगों के खिलाफ सख्त कानून बनाया गया तो ही मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा ऐसा दृढ़ विश्वास है। मतदान ऐच्छिक है. मतदान एक राष्ट्रीय कर्तव्य है और सभी को मतदान करना चाहिए। मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जाना चाहिए। ऐसा आह्वान रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने बुधवार की सुबह नवजीवन विद्यामंदिर बांद्रा पूर्व में मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के बाद किया।इस मौके पर उनकी पत्नी श्रीमती सीमाताई अठावले और पुत्र जीत आठवले ने मतदान किया। हम जनता के साथ हैं, जनता हमारे साथ है, इसलिए रामदास आठवले ने विश्वास जताया कि जनता का वोट महायुति को जरूर मिलेगा।

जागरुक उत्तर भारतीय समाज महायुती को विजयी बनानें के लिए हुआ दृढ़ संकल्पित

ठाणे (उत्तर शक्ति)। ठाणे जिले में समग्र जागरुक उत्तर भारतीय समाज के लोगों के साथ संवाद हेतु आयोजित कार्यक्रम में सभी का अभूतपूर्व प्रतिसाद प्राप्त हुआ। ठाणे विधानसभा भाजपा से दो बार निर्वाचित विधायक एवं तीसरी बार के उम्मीदवार मा. संजय केलकरजी , भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्लजी , बदलापुर-जौनपुर-विधायक- रमेशचन्द्र मिश्राजी, एवं सिंगरामऊ के राजा साहब श्री शिवबाबा जी ने सभा को संबोधित किया ।समाज के विविध लोगों ने भी अपने विचार रखे ।समग्र आयोजन को सफल बनानें हेतु पितामह के.पी.मिश्र जी , बाबू वशिष्ठ नारायण मिश्र जी , समाजसेवी रतन मिश्र जी

, युवा अमित , अभिषेक , कार्तिक और हिमांशु का पूर्ण सहयोग रहा। लाखों हृदय प्रेमी, समाजसेवी रतन मिश्रा जी एवं व्यक्तित्व के धनी अरुण शुक्ला जी का बहुत ही प्रशंसा किया। उत्तर भारतीय समाज का मत जिस मतदाता को मिलता है विजय निश्चित मानी जाती है ।क्योंकि आज लगभग 7 लाख से ज्यादा मतदाता उत्तर भारतीय ठाणे जिले में हैं। विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने कहा- बटेंगे तो कटेंगे यह नारा सभी को एकत्रित करने के लिए आवश्यक एवं सफल माना गया है। कार्यक्रम के अंत में समाजसेवी रतन मिश्रा ने सभी लोगों का आभार प्रकट किया।

मतदान संपन्न होते ही अगली सरकार को लेकर अटकलों का बाजार गर्म

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आखिरकार महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और मतदाताओं की जागरूकता ने चुनाव को पूरी तरह से सफल बनाया। मतदान संपन्न होते ही अगली सरकार को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। शहरी इलाकों में जहां महायुति की लहर साफ देखी जा रही है, वहीं ग्रामीण इलाकों में महाविकास आघाड़ी जमकर फाइट करते नजर आ रही है। कुल मिलाकर महाविकास आघाड़ी का पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है। परंतु अधिकांश लोगों का मानना है कि हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी भाजपा महायुति की सरकार बनाने में सफल हो जायेगी। सूत्रों की माने तो भाजपा को सबसे बड़ा डर अजीत पवार को लेकर है। अगर उनके आमदार निर्णायक संख्या में विजई हुई तो वे भाजपा का खेल बिगाड़ सकते हैं। मुंबई में भाजपा महायुति के प्रत्याशियों को जिन विधानसभाओं से स्पष्ट जीत के

संकेत मिल रहे हैं, उनमें कालीना से अमरजीत सिंह, बोरीवली से संजय उपाध्याय, विलेपार्ले से एड पराग अलवनी, बांद्रा पश्चिम से एडवोकेट आशीष शेलार, चारकोप से योगेश सागर, मागाठाणे से प्रकाश सुर्वे, अंधेरी पश्चिम से अमित साटम, घाटकोपर पूर्व से पराग शाह, घाटकोपर पश्चिम से राम कदम का समावेश है। अनेक सीटों पर जोरदार टक्कर मानी जा रही है। मुंबई से सटे मीरा भायंदर की बात करें तो यहां की दोनों सीटों पर महायुति की शानदार जीत मानी जा रही है। प्रताप सरनाईक तथा नरेंद्र मेहता विरोधियों पर भारी पड़ते दिख रहे हैं। वसई विधानसभा में स्नेहा नवीन दुबे पंडित की जीत भी पक्की मानी जा रही है। उत्तर भारतीयों ने इस बार भाजपा के पक्ष में जमकर मतदान किया। यही कारण है कि भाजपा खेमे में खुशी का माहौल दिखाई दे रहा है। उत्तर भारतीय लोकप्रिय नेता कृपाशंकर सिंह के अनुसार महाराष्ट्र में फिर पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा महायुति की सरकार बनने जा रही है। भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के अनुसार महाराष्ट्र की जनता के आशीर्वाद से एक बार फिर हम सरकार बनाने जा रहे हैं।

अभिनेता रितेश देशमुख ने लातूर में डाला वोट, युवाओं से की मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख ने बुधवार को युवाओं से अपील की कि वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने के लिए बाहर निकलें। देशमुख ने लातूर जिले के बाभलगांव में अपना वोट डाला। उनके भाई अमित और धीरज कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में लातूर शहर और लातूर ग्रामीण सीट से महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। वे इन निर्वाचन क्षेत्रों से मौजूदा विधायक हैं।

मतदान के बाद रितेश ने कहा, ह्यह्यचूंकि आज मतदान का दिन है ऐसे में यह दिन बेहद महत्वपूर्ण है।

युवाओं को बड़ी संख्या में बाहर आना चाहिए और अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए मतदान करना चाहिए। सुबह 11 बजे तक लातूर शहर निर्वाचन क्षेत्र में 21.32 प्रतिशत जबकि लातूर ग्रामीण में 20.78 प्रतिशत, निलंगा में 18.23 प्रतिशत, उदगीर में 17.97 प्रतिशत, औसा में 17.36 प्रतिशत और अहमदपुर में 15.09 प्रतिशत मतदान हुआ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस सफाई कामगार सेल (शरद पवार) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार ने माटुंगा (प) के मतदान केंद्र में सपरिवार मतदान किया।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

गांव-गांव में लगाया जाएगा सदस्यता शिविर: अनुराग

◆ आम आदमी पार्टी ने चलाया सदस्यता अभियान

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने बुधवार को तहसील के निकट सदस्यता अभियान चलाया। जिसमें सैकड़ो लोगों ने सदस्यता अभियान मे आप की सदस्यता ग्रहण किया। अभियान का शुभारंभ प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी ने किया। जिसमें पूर्वांचल प्रांत के प्रभारी अनुराग मिश्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी गांव गली चलायेंगी सदस्यता अभियान। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला उपाध्यक्ष गालिब शेख ने सदस्यता ग्रहण कर रहे सदस्यों को मीठा खिलाकर मुंह मीठा किया। जिला महासचिव विनोद कुमार प्रजापति ने आम

आदमी पार्टी का सदस्यता कैंप स्थल पर आप का झंडा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को सौंप कर मनोबल बढ़ाया और कहा कि आने वाले समय में आप पार्टी उत्तर प्रदेश में एक विकल्प होगी। और भाजपा के गलत नीतियों का विरोध किया जाएगा। सदस्यता अभियान कैंप में पदाधिकारी ने शपथ लेते हुए कहा कि आने वाले चुनावों के लिए युवा पूरी तरह से जुड़ जाए। यह अभियान का कारवां रुकेगा नहीं। जिसे बूथ स्तर तक मजबूती प्रदान की जाएगी। जिससे अरविंद केजरीवाल का भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान सफल हो सके। उक्त कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राम रतन विश्वकर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह सुनील मौर्य दिलीप कुमार विश्वकर्मा विधानसभा अध्यक्ष शिवाजी मिश्र अच्छे लाल तिवारी सहित तमाम कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जहरीली हवा से करें अपने फेफड़ों की रक्षा: डा.वी.एस. उपाध्याय

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायन्स क्लब जौनपुर मेन द्वारा विश्व सीओपीडी दिवस के अवसर पर लोगों को इस रोग से बचाने के लिए जागरूकता शिविर स्थान आशादीप हास्पिटल के हाल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डा वी एस उपाध्याय ने बताया कि प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण आजकल सांस लेने की समस्याएं आम हो गई हैं। इनमें से एक गंभीर बीमारी है सीओपीडी यानी क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज। इस बीमारी में फेफड़े धीरे-धीरे खराब होते जाते हैं और सांस लेने में मुश्किल होती है। यह एक गंभीर बीमारी है जो समय के साथ धीरे-धीरे बिगड़ती जाती है। आज हम जिस हवा में सांस ले रहे हैं।वो भी विषैली हो गई है, हवा में सूक्ष्म कणो की मौजूदगी के साथ फेफड़ो की क्षमता पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। बीड़ी- सिग्रेट, गांजा, गाड़ी व अगरबत्ती के धुएं व किसी भी प्रकार के धुएं से फेफड़े पर बुरा असर पड़ता है। डा वी एस उपाध्याय ने कहा यह फेफड़ों से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे बढ़ती है। यह बीमारी मुख्य रूप से दो स्थितियों के कारण होती है- वातस्फीति और क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस। वातस्फीति में, फेफड़ों के वायुकोष

सीओपीडी दिवस पर लायन्स क्लब जौनपुर मेन ने किया जागरूकता

क्षतिग्रस्त हो जाते हैं जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है। दूसरी ओर, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस में, फेफड़ों की नलियां सूज जाती हैं और लगातार बलगम बनता रहता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें फेफड़ों की नलियां समय के साथ धीरे-धीरे संकरी होती जाती हैं। इससे फेफड़ों में हवा का आवागमन कम हो जाता है, जिसके कारण सांस लेने में दिक्कत, खांसी और सीने में जकड़न जैसी समस्याएं होती हैं। सीओपीडी से जूझ रहे लोगों के लिए रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल हो जाते है डा उपाध्याय ने इसके लक्षण बताये सांस लेने में कठिनाई, लगातार खांसी, बलगम बनना, छाती में जकड़न, थकान। तथा रोग के कारण स्मोकिंग, वायु प्रदूषण, केमिकल्स के संपर्क में आना व फैमिली हिस्ट्री है। उन्होंने बताया कि कुछ तरीकों से इसके लक्षणों को कम करके बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है। तथा दवाएं, ऑक्सीजन थेरेपी पुलमोनरी रिहैबिलिटेशन व सर्जरी इसके इलाज है। इससे बचाव के लिए स्मोकिंग छोड़ें, वायु प्रदूषण से बचें, हेल्दी डाइट लें, लगातार व्यायाम करे एंव अपने डाक्टर से सम्पर्क करे। इसके पूर्व अध्यक्ष संजय केडिया ने लोगो का स्वागत किया। जायडस कम्पनी के मैनेजर रजनीकांत ने आभार व्यक्त किया। संचालन सै मो मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर शकील अहमद, मनीष गुप्ता, राधेरमण जायसवाल, राकेश यादव, डा.एस के उपाध्याय, डा.जसवाल, डा.एम भास्कर शर्मा, डा.आशीष, अवधेश मौर्य, आदि उपस्थित रहे।

हमारी रसोई-हमारी जिम्मेदारी के तहत किया गया जागरूकता एवं संगोष्ठी का आयोजन

◆ वी.टी. गर्ल्स इण्टर कॉलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम

मोहम्मद अफजल

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 20 नवम्बर कस्बा स्थित भारतीय विद्यापीठ में बुधवार को जय माँ अम्बे इण्डेन गैस एजेंसी खेतासराय की तरफ से हमारी रसोई हमारी जिम्मेदारी पर जागरूकता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप प्रबधंक अनिल कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उक्त अथिति श्री उपाध्याय ने कहा कि आप सब किचन में काम करते समय ध्यान देने की जरूरत है। यह सब आप की जिम्मेदारी है। सिलेंडर को हमेशा

सीधा करके रखें। गैस का इस्तेमाल करते समय पहले माचिस की तीली जलाएं तब जाकर गैस खोलें और खाना बनाते समय सूती कपड़े का प्रयोग करना चाहिए। विशेष रूप से छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि एलपीजी की गंध आने पर तुरन्त इलेक्ट्रिक स्विच को ऑफ कर दें।कभी भी आपातकाल की स्थिति हो तो तत्काल 1906 पर डायल करें। कार्यक्रम के अंत में एजेंसी संचालिका एडवोकेट कुसुम सिंह ने कहा कि हमारी रसोई हमारी जिम्मेदारी है। गैस का इस्तेमाल करते समय बेहद सावधानी बरतनी चाहिए। इस मौके मुख्य रूप से प्रधानाचार्या सुनीता मिश्रा, विभा पाण्डेय, सफिया खान उपस्थित रही।

पीयू में संविधान प्रतिज्ञा सप्ताह का शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संविधान दिवस 26 नवंबर के उपलक्ष्य में संविधान प्रतिज्ञा सप्ताह 20 नवंबर से 26 नवंबर 2024 का शुभारंभ विधिवत रूप से किया गया। यह आयोजन राज्यपाल सचिवालय के निदेर्शानुसार कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षकत्व में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय परिसर स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के मूट कोर्ट में हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय राय, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह और प्रो. मनोज मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति में संविधान की शपथ दिलाई गई। नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग मिश्र ने बताया कि संविधान प्रतिज्ञा सप्ताह के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे,

शिक्षक, विद्यार्थियों, अधिकारियों ने ली संविधान की शपथ

जिनका उद्देश्य संविधान के मूल्यों और उसके महत्व को जनमानस में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस, 26 नवंबर 2024 को सप्ताह के समापन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें विश्वविद्यालय समुदाय की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्षों, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों और कर्मचारियों से इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता की अपील की। संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. राहुल राय, डॉ. रजित राम सोनकर, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. राजन तिवारी, प्रगति सिंह, जीशान अली और सूरज सोनकर सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अर्हता 01 जनवरी 2025 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त

पुनरीक्षण के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयवर चौहान ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता 01 जनवरी 2025 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण के अन्तर्गत 29 अक्टूबर 2024 को जनपद के समस्त मतदेय स्थल, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में आलेख्य प्रकाशन कर दिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 23, 24 नवम्बर, 2024 को विशेष अभियान की तिथियां निर्धारित की गई है। फार्मो के निस्तारण की अवधि 24 दिसम्बर 2024 है। निर्वाचक नामावली के अन्तिम प्रकाशन की तिथि 06 जनवरी 2025 है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि समस्त अर्ह नागरिक निर्वाचक नामावली में पंजीकृत हो जायें एवं निर्वाचक नामावली में दर्ज मृतक, डबल मतदाताओं के नाम विलोपित किया जाय तथा सूची में दर्ज नाम, पता, आयु एवं अन्य प्रविष्टियों में विद्यमान त्रुटियों इत्यादि को दूर कर त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार की जाय।

बूथ लेंविल अधिकारियों द्वारा मतदाता सूची में यदि किसी दिव्यांग, महिला या युवा वर्ग के अर्ह व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो उनसे फार्म-6 भरवाये जाने का कार्य भी किया जाये। उक्त विशेष अभियान तिथि को समस्त बूथ लेविल आफिसर अपने मतदेय स्थल पर प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक उपस्थित रहकर दावे/आपत्तियों को प्राप्त करने का कार्य करेंगे। आनलाइन पोर्टल NVSP, VOTER PORTAL, VOTER HELPLINE APP के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। शत-प्रतिशत शुद्ध मतदाता सूची तैयार कराये जाने में जनपद के समस्त नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है।

खेतासराय पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के धर-पकड़ अभियान के क्रम में खेतासराय पुलिस टीम ने फरारी काट रहा एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त कस्बा के पोस्ट ऑफिस मोहल्ला निवासी उमाकांत बिन्द पुत्र छोटेलाल। इसके खिलाफ आबकारी एक्ट में चल रहे मुकदमें में फरार चल रहा था। जिसे बुधवार को उसके घर से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय, उपनिरीक्षक लल्लू सिंह, हेड कांस्टेबल संजय पाण्डेय व अम्बिका यादव शामिल रहे।

यातायात पुलिस ने जनक कुमारी इण्टर कालेज में छात्रों को किया जागरुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात माह 20 नवम्बर 2024 के दौरान जनक कुमारी इण्टर कालेज, जौनपुर में किया गया जागरुकता कार्यक्रम, शहर के

प्रमुख चौराहों/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए प्रवर्तन की कार्यवाही में 3357 वाहनों का किया गया चालान- डा0 अजय पाल, पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा, आरटीओ प्रवर्तन सतेन्द्र कुमार, प्रभारी निरीक्षक यातायात श्री जी0डी0 शुक्ला, व उप निरीक्षक यातायात सुशील कुमार मिश्रा व सुनील तिवारी, के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान आज जनक कुमारी इण्टर कालेज, जौनपुर में 400 बच्चों के माध्यम से यातायात जागरूकता से सम्बन्धित क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टरकला एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित किया गया। तथा सभी बच्चों को यातायात नियमों की शपथ दिलायी गयी। साथ ही शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 3357 वाहनों का चालान किया गया। यातायात माह में दिनांकः-20.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाहीः- कुल चालान संख्याः-3357 बिना हेलमेट वाहन चलानाः-2210 बिना सीट बेल्ट वाहन चलानाः-134 तीन सवारी वाहन चालानाः-192 यातायात नियमों का उल्लंघनः-25 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः-22 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः-45 वाहन में काली फिल्म का प्रयोगः-2 बिना डी0एल0 वाहन चलानाः-65 वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः-1 ओवर स्पीड वाहन चलानाः-6 नो पार्किंगः-88 शेष अन्य धारा मेः-567

लापरवाही की हद : गोली लगने से घायल व्यक्ति की गोली निकाले बगैर सदर से बीएचयू, बीएचयू से घर वापस

रियाजुल हक जिला क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कस्बे में आजमगढ़ मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के पास बीते बृहस्पतिवार को बरात में चली गोली में एक युवक

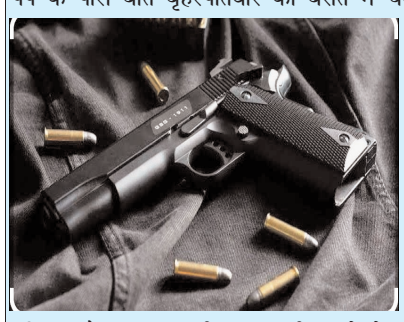

घायल हो गया था। चार दिन बाद भी उसके पैर से गोली नहीं निकाली गई। बीएचयू ट्रामा सेंटर से भी उसे रेफर कर दिया गया है। इसके बाद उसके परिजनों ने शाहगंज के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया। देखिए आगे पुलिस और प्रशासन की लापरवाही कस्बे में बृहस्पतिवार को शाहगंज उक्त क्षेत्र में बरात में सम्मिलित होने जा रहे अक्खनसराय गांव निवासी राम अवध को कस्बा के आजमगढ़ मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के समीप अपहरण के दौरान चली गोली लग गई थी। पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।जहा के चिकित्सकों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया था। चार दिन तक सदर अस्पताल में भर्ती पीड़ित के पैर से गोली नहीं निकलने से उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर किया गया था। वहां चिकित्सकों ने मरीज को अनदेखा कर बगैर इलाज किए ही शाहगंज वापिस भेज दिया। सोमवार की देर रात परिवार उसे कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। गोली से घायल राम अवध का कहना है कि चार दिन तक सदर अस्पताल में भर्ती रहने के बावजूद पैर में अटकी गोली नहीं निकाली गई। कोई प्रशासनिक अधिकारी मिलने भी नहीं आया। चार दिन बाद उसे सदर अस्पताल से वाराणसी बीएचयू ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। वहां भी सिर्फ खानापूर्ति कर चिकित्सकों ने पैर में लगी गोली निकालने से मना कर अस्पताल से बाहर भगा दिया। सीओ अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि उसे वहां से बुलाकर निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जहा उसका इलाज चल रहा है। अब ऐसे में सवाल यह ही की इसका जिम्मेदार मौन है तो फिर जिम्मेदार कौन है।

जिलाधिकारी ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण, गंदगी पाये जाने पर जताई नाराजगी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र के द्वारा जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एक्स रे वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, जनरल वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र आदि का

निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल में बनाए गए रैन बसेरा बंद मिला।जिसे तुरंत क्रियाशील किए जाने के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए।जिला अस्पताल परिसर और शौचालय में गंदगी पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाने के निर्देश सीएमएस को दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि वार्डों में बेड शीट नियमित रूप से बदले जाएं इसके साथ ही मरीजों को कंबल उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने भर्ती मरीजों से आज दिए गए नाश्ता और खाने के संबंध में जानकारी ली और निर्देशित किया कि रोस्टर के अनुसार मरीजों को नाश्ता और खाना उपलब्ध कराया जाए। इमरजेंसी वार्ड में भर्ती महेंद्र प्रताप गौड़ के प्रकरण में पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया कि एफआईआर दर्ज कराते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने अस्पताल में आए हुए कलावती सोनकर, पूजा धर्मा देवी आदि से अस्पताल में इलाज और दवाओं की उपलब्धता के सन्दर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि बाहर से दवाए न लिखी जाए। पोषण पुनर्वास केंद्र के निरीक्षण के दौरान स्टाफ नर्स से भर्ती मरीजों को दिए जाने वाले सुविधाओं जैसे पौष्टिक नाश्ता,खाना आदि के संबंध में जानकारी ली और वार्ड नंबर 2 में 05 बेड खाली मिले जिसे भरे जाने के लिए निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए।

'हेल्दी बेबी शो' में 14 माह की राम्या रही अव्वल

◆ शाहगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर हुआ आयोजन

विशाल सोनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर बुधवार को आयोजित हेल्दी बेबी शो मे दो वर्ष तक के कुल 21 बच्चों के अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ प्रतिभाग किया। प्रतिभागी बच्चों में प्रियंका मिश्रा की पुत्री राम्या (1 6माह) प्रथम स्थान पर रही और सबसे स्वस्थ बच्चा घोषित हुई।हिना का पुत्र इब्राहिम (18 माह) को द्वितीय तथा डॉ नीतू शुक्ला का पुत्र आरो (2 वर्ष) को तृतीय पुरस्कार मिला । इसके अलावा अन्य बच्चों के माता और पिता भी प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर बेहद खुश दिखे। राम्या की मां प्रियका मिश्रा ने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान यह जानने का प्रयास किया गया कि हम अपने बच्चे की देखभाल कैसे कर रहे हैं।

बच्चा पैदा होने के एक घंटे के अंदर मां का दूध पिलाया कि नहीं। बच्चे को स्वस्थ रखने के लिए उसे क्या-क्या खिलाना चाहिए। सीएचसी शाहगंज के अधीक्षक डॉ. रफीक फारुकी ने समस्त बच्चों के अभिभावकों का उत्साहवर्धन करते हुए अपना निर्णय सुनाया । साथ ही विशेष देखभाल के लिए आवश्यक परामर्श भी दिया। इसके साथ ही जन जागरूकता गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें डॉ .आकांक्षा सिंह महिला रोग विशेषज्ञ,डॉ.नीतू शुक्ला ,महिला रोग विशेषज्ञ ने इस आयोजन के उद्देश्य के बार में विस्तार से जानकारी दी।

गोष्ठी में अधीक्षक डॉ. रफीक फारुकी ने बताया कि हेल्दी बेबी शो के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों में दो वर्ष तक के बच्चों के अभिभावकों को स्वास्थ्य के मानकों के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित करना है। यह शिशु मृत्यु दर कम करने का एक प्रयास है।

जफराबाद पुलिस ने देसी तमंचा व कारतूस के साथ युवक को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त मय 01 अदद देसी तमंचा 315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार-डा0 अजय पाल, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के पर्यवेक्षण में थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा कस्बा जफराबाद बाजार से मनीष यादव उर्फ बंगाली यादव उर्फ मंगल यादव उर्फ अभिषेक यादव पुत्र सुबास यादव निवासी ग्राम भगवानपुर थाना बरदह जिला आजमगढ को कब्जे से 01 देसी तमंचा 315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त विवरण- 1.मनीष यादव उर्फ बंगाली यादव उर्फ मंगल यादव उर्फ अभिषेक यादव पुत्र सुबास यादव निवासी ग्राम भगवानपुर थाना बरदह जिला आजमगढ। आपराधिक इतिहास- 1.मु0अ0सं0-62/2024 धारा-395/412 आईपीसी थाना बरदह जनपद आजमगढ. । 2.मु0अ0सं0-215/2024 धारा-2(इ)(1) /3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना बरदह जनपद आजमगढ़। 3.मु0अ0स0-339/2024 धारा-3/25 आर्म्स एक्ट थाना जफराबाद जनपद जौनपुर।

गौराबादशाहपुर पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, शातिर अपराधी मोहम्मद उमर गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना गौराबादशाहपुर पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। सोमवार रात को पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक शातिर अपराधी मोहम्मद उमर उर्फ उमर खान को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मुठभेड़ में मोहम्मद उमर घायल हो गया जिसे पुलिस ने इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना के अनुसार, पुलिस अधीक्षक डॉ.अजय पाल शर्मा के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत,अपर पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी केराकत के मार्गदर्शन में थाना गौराबादशाहपुर के थानाध्यक्ष फूलचंद पाण्डेय और चौकी प्रभारी रवि प्रकाश अपनी टीम के साथ विथर मोड़ के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से आजमगढ़ से जौनपुर की ओर आ रहे हैं।जो नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने लिलहा मोड़ पर घेराबंदी कर दी। थोड़ी देर बाद, आजमगढ़ की ओर से एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस ने टॉर्च की रोशनी दिखाकर उन्हें रुकने का इशारा किया। लेकिन बदमाशों ने भागने की कोशिश की। इस दौरान मोटरसाइकिल फिसल गई और एक बदमाश मौके से भागने में सफल रहा। जबकि दूसरा बदमाश पुलिस के घेरे में आ गया। पुलिस ने आत्मसमर्पण के लिए कहा, लेकिन बदमाश मोहम्मद उमर ने पुलिस पर फायर कर दिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक गोली उमर के पैर में लगी और वह घायल हो गया। मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल,एक देशी तमंचा,एक जिंदा कारतूस और एक मिस कारतूस बरामद हुआ। घायल बदमाश को तुरंत सीएचसी चोरसंड भेजा गया।जहाँ से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस इस मामले में फरार बदमाश की तलाश कर रही है और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास और बढ़ा है।

विश्व धरोहर सामाजिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लगाया गया नि:शुल्क कैंप

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पूनम सागर में विश्व धरोहर सामाजिक चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा पूनम सागर लिटिल जीनियस इंटरनेशनल स्कूल में आम जनमानस के लिए निशुल्क आयुर्वेदिक शिविर लगाया गया। जिसमें काफी संख्या में मरीज का आना हुआ। कैप का शुभारंभ संस्था के संस्थापक/अध्यक्ष स्वप्निल आर.शुक्ला ने किया। कैप में मरीजों को M.D आयुवेर्दा डॉ जय प्रकाश जयसवाल के द्वारा मरीजों को उचित परामर्श और दवा दिया गया। कैप का संचालन विमल शुक्ल (राजा) ने किया। इस अवसर पर जीतू नलवाया, शिवम द्विवेदी, राजेश मिश्रा आदित्य पांडे, प्रवीण शुक्ला, देवेश श्रीवास्तव, इंद्रिश शाह आदि लोग मौजूद रहे।

जौनपुर महैर मंदिर के पुजारी रामचंद दास इन दिनों मुंबई में

मुम्बई (उत्तर शक्ति)। जौनपुर महैर मंदिर के मुख्य हनुमान पुजारी पंडित राम चंद दास इन दिनों अपने निजी प्रवास पर मुंबई आए हुए हैं। वे अपने नाती प्रवीण शिव शंकर मिश्रा के आवास पर ठहरे हुए हैं। उनके छोटे नाती भानू प्रताप शिवशंकर मिश्रा के शुभ विवाह में दिनांक 22 नवम्बर को उपस्थित रहेंगे। और वर वधू को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। 24 नवंबर को जौनपुर वापस हो जायेंगे। यदि किसी व्यक्ति को मुलाकात करना हो तो मोबाइल नंबर 6394381167 पर संपर्क करें।

खुशी टीडीटी और लैश करी ने मिलकर अपने ट्रैक विक्टरी एंथम से धमाल मचाया

पटना। भारत में हिप-हॉप जगत के उभरते सितारे, खुशी टीडीटी और लैश करी, ₹विक्टरी एंथम₹ के रिलीज के साथ साहस और आत्मविश्वास की एक नई लहर लेकर आए हैं। यह गाना उन सभी लोगों के लिए है जो मुश्किलों को पार कर संघर्ष करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। इस एंथम में ऊर्जा से भरपूर बीट्स और प्रभावशाली बोल कुछ इस तरह से रचे गए हैं कि यह हर किसी को प्रेरित करें, ताकि वे उठें, विरोध करें और अपनी जीत वापस हासिल करें। ऑडियोक्रैकर द्वारा प्रोड्यूस किया गया यह विक्टरी एंथम अपने शक्तिशाली संदेश के साथ बहुत ही कम समय में दर्शकों को मोहित कर चुका है। 2.8 मिलियन से ज्यादा स्पॉटिफाई स्ट्रीम्स, 5 मिलियन यूट्यूब व्यूज, और इंस्टाग्राम पर 3 लाख से भी ज्यादा रील्स को इंस्पायर करने के साथ, फैन्स इस गाने की जीत की भावना को अपना रहे हैं, जिसे रियलिटी शो के कंटेस्टेंट और प्रिय कलाकार लैश करी और मास्क के पीछे छुपी कलाकार खुशी टीडीटी ने गाया है। खुशी टीडीटी ने कहा, ₹यह गाना उन सभी लोगों के लिए एक दम सटीक है जिन्हें कभी कम आंका गया हो। विक्टरी एंथम खुद पर भरोसा करने और जब कोई साथ दे ना दे, तब अपने अंदर की शक्ति को पहचानने और आगे बढ़ने की ताकत पाने के बारे में है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बिहार में किया विस्तार

पटना। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) को इस लॉन्च के साथ अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह विस्तार वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और कटिहार के निवासियों को आवश्यक बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस लॉन्च के साथ, बैंक के देश भर में 984 और बिहार राज्य में 238 बैंकिंग आउटलेट हो गए हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, ह्यकटिहार में हमारा नया बैंकिंग आउटलेट बिहार में अपने नेटवर्क को मजबूत करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। अपनी सांस्कृतिक समृद्धि और मजबूत सामुदायिक संबंधों के लिए जाना जाने वाला कटिहार विकास के लिए एक आशाजनक परिदृश्य प्रदान करता है। इस आउटलेट के खुलने से इस क्षेत्र के लोगों को आवश्यक बैंकिंग सेवाओं तक सुविधाजनक पहुंच प्राप्त होगी, जिससे उनकी आकांक्षाओं और वित्तीय सशक्तिकरण को समर्थन मिलेगा। बैंक के द्वारा अपने ग्राहकों को तमाम तरह के वित्तीय उत्पाद और सेवाएं प्रदान कराई जाती हैं जिनमें सेविंग और करेंट अकाउंट्स, फिक्स्ड डिपाजिट और रेकरिंग डिपाजिट जैसी सेवाएं शामिल हैं। ग्राहकों की आर्थिक महत्वकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, बैंक कई तरह के लोन उत्पाद- जैसे हाउसिंग लोन, बिजनेस लोन और संपत्ति के एवज में लोन उपलब्ध कराती है।

डोंबिवली के भाजपा महागठबंधन के उम्मीदवार रवींद्र चव्हाण ने सुबह डोंबिवली पूर्व के जोशी हाई स्कूल में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

डॉ भोलानाथ चौहान ने देश हित में मतदान किया।

आने वाले 10 वर्षों में भारत का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम दुनिया में होगा सबसे आधुनिक

मुंबई। एक तरफ जहाँ भारत जनसंख्या के मामले में दुनिया में सबसे अग्रणी देश है। वहीं आए दिन होने वाली हिंसा, अपराध यह भी एक विकास की पटरी पर दौड़ते भारत के लिए चुनौती है। जहाँ प्रत्येक दिन क्रिमिनल, जनता को कभी साइबर ठगी, हिंसा, नक्सलवाद, आतंकवाद और अन्य अनेकों जरिए जनता को निशाना बनाते हैं तो दूसरी तरफ वर्षों से अंग्रेजों के बनाए कानूनों के जरिए वर्षों तक मामले लंबित रहते थे। आम जनता इसी में पिस कर रह जाती थी। इस गंभीर समस्या पर अमल करते हुए प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में गृह मंत्री अमित शाह जी ने जहाँ तीन नए कानून लागू किया।

वहीं उन कानूनों के जरिए यह भी साफ कर दिया की आने वाले 10 वर्षों में भारत का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम दुनिया में सबसे आधुनिक, वैज्ञानिक और स्पीडी होने वाला है। जिससे आम जनता को न्याय के लिए वर्षों तक का न तो इंतजार करना पड़ेगा। साथ ही इन नए कानूनों के जरिए क्रिमिनल को ऋकफ लिखने से लेकर महज तीन साल के भीतर सुप्रीम कोर्ट में सजा भी सुनाई जाएगी। गौरतलब है कि अंग्रेजों ने 150 साल भारत देश में अपनी सरकार बचाने के लिए कानून बनाए थे। उन्हें न तो जनता की परवाह थी न ही उनके लिए भारत देश का नागरिक न्याय का हकदार था। सिर्फ यही नहीं आजादी मिलने के बाद भी भारत देश में अंग्रेजों के बनाए इन्हीं कानूनों के हिसाब से क्रिमिनल और पीड़ित जनता की सुनवाई होती थी। जिस वजह से मामले वर्षों तक जहाँ लंबित रहते थे। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लाए इन तीन नए अपराधिक कानूनों में देश के नागरिकों की सुरक्षा और संविधान प्रदत्त अधिकारों को सुनिश्चित किया गया है। साथ ही नए कानूनों में नवीनतम तकनीक को इस प्रकार से समाहित किया गया है कि आने वाले समय में तकनीक में बदलाव से कानून को बदलना नहीं पड़ेगा। नए कानूनों में तेजी से न्याय मिलने की व्यवस्था होगी। इन कानूनों में पुलिस को जवाबदेह और मजबूत बनाने के लिए भी कई प्रावधान किए गए हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी जी का मानना है कि भारत के प्रत्येक नागरिक को त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

वाराणसी विकास प्रधिकरण में सात अवर अभियंताओं की तैनाती

वाराणसी(उत्तरशक्ति) जिनपद के विकास प्राधिकरण (वीडीए) में प्रशिक्षण प्राप्त 7 अवर अभियंताओं को विभिन्न जोनों में तैनात किया गया। यह तैनाती 18 नवंबर को आयोजित प्रशिक्षण और मूल्यांकन के आधार पर की गई। इस अवसर पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने प्रिया अग्रहरी और वर्तिका दुबे को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जोनों में तैनाती का विवरण प्रशिक्षण और मूल्यांकन के उपरांत सभी 7 अवर अभियंताओं को निम्नलिखित जोनों में तैनात किया गयाः - जोन-1 (सिकरौल वार्ड): प्रिया अग्रहरी - जोन-2 (सारनाथ वार्ड): वर्तिका दुबे - जोन-3 (कोतवाली और चौक वार्ड): रोहित कुमार (कोतवाली), राजू कुमार (चौक) - जोन-4 (भेलूपुर और नगवॉ वार्ड): वरिष्ठ अवर अभियंता राकेश कुमार सिंह के साथ सोनू कुमार (भेलूपुर), आदर्श निराला (नगवॉ) - जोन-5 (मुगलसराय वार्ड): अशोक कुमार यादव - प्रशिक्षण के दौरान अवर अभियंताओं को वाराणसी विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, अधिनियमों, शासनादेशों, भवन और निर्माण उपविधियों के साथ-साथ संपादित कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। प्रिया अग्रहरी और वर्तिका दुबे को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, जिससे अन्य अभियंताओं को भी प्रेरणा मिली। यह तैनाती वाराणसी विकास प्राधिकरण के विभिन्न जोनों में प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने में सहायक होगी।

मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी का प्रथम सालाना जलसा संपन्न

-बख्तियार आलम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।मियाँपुर मोहल्ले में संस्था मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जलसे का आयोजन किया गया।जिसमें तमाम मोहल्ले वासियों ने शिरकत किया जलसे का मुख्य उद्देश्य बच्चों को मजहबी एवं दुनियावी तालीम से जोड़े रखना। उनके लिए मुफ्त में तालीम देने का इंतजाम करना। बाल दिवस के मौके पर बच्चों ने एक इस्लामी कंपटीशन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।जिसमें फर्स्ट सेकंड थर्ड आने वाले बच्चों को उपहार एवं सर्टिफिकेट देकर उनका उत्साह बढ़ाया गया। बच्चों ने भी नात एवं पोयम सुनाया जिसे सुनकर गर्वान्नित हुए सभी लोग। सभी वक्ताओं ने अपने-अपने वक्तव्य में शिक्षा पर जोर देने की बात कही बच्चों को फ्री शिक्षा मुहैया करने को लेकर अपने-अपने विचार व्यक्त किया।कार्यक्रम की शुरूआत मौलाना अलकमा ने कलाम ए पाक की तिलावत से किया सदारत शाहिद अख्तर ने किया कमेटी के होनहार सदस्य मोहम्मद असद एवं आफताब को सम्मानित किया गया अंत में मुन्ने चाचा ने मुल्क की तरक्की के लिए दुआएं करी कार्यक्रम में मुख्य रूप से अरशद, अमजद, तबरेज नियाजी, जुबेर अहमद, खालिक अहमद, ख्वाजा अहमद हसन, आरिफ खान, जाहिद खान, मोहम्मद सरफराज, मोहम्मद अजीम एवं मदरसे के बच्चों सहित तमाम मोहल्ले वासी मौजूद रहे। आए हुए सभी मेहमानों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

160 सीटों पर प्रचंड जीत के साथ महाराष्ट्र में बनने जा रही है महायुति की सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के खत्म होने से पहले परिणाम देश के सामने आ चुका है। महाराष्ट्र का सियासी मिजाज इस बात की ओर इशारा कर रही है कि पूरे महाराष्ट्र में महायुति का सियासी पलड़ा भारी है। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में बुधवार को मतदान है, जिसमें 4,136 उम्मीदवारों की किस्मत दाँव पर लगी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता और भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य अमित शाह के मार्गदर्शन में महायुति हैट्रिक लगाने की कवायद में है तो कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया गठबंधन अपनी वापसी के लिए बेताब नजर आ रही है।

चुनाव में सरकार बनाने या बिगाड़ने वाली जनता यह जान चुकी है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर महायुति के चुनावी घोषणा पत्र में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। महायुति के घोषणा-पत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विकास के लिए कई योजनाएँ चलाईं गईं और इसे अब और आगे बढ़ाने का वादा किया गया है। महायुति ने सरकार बनने पर लाडली बहन योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 2,100 रुपये और किसानों को कर्जमाफी का वादा किया है। महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने की चर्चा है, जो राज्य के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में महत्त्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है। महायुति का गठबंधन चुनावी परिणामों में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद राज्य में अपनी सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। महाराष्ट्र की जनता ने अपना मन बना लिया है कि महाराष्ट्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्रपति शिवाजी और वीर सावरकर के रास्ते पर चलेगा न कि कांग्रेस के नेतृत्व में औरंगजेब के रास्ते पर चलेगा। उद्धव ठाकरे और शरद पवार एंड कंपनी ने अपने बयानों से यह साफ कर दिया है कि वे औरंगजेब फैन क्लब की पार्टी हैं। सत्ता की लालच में उद्धव ठाकरे हिंदुत्व को पाखंड कहने वालों, अफजल खान और औरंगजेब की कब्रों को सुशोभित करने वाले लोगों और कसाब को बिरयानी खिलाने वाले लोगों के साथ औरंगजेब फैन क्लब के लोगों की गोद में बैठे हैं। इस चुनाव में यह भी स्पष्ट हो चुका है कि एक ओर पांडव की तरह सत्य की राह पर चलने वाली भाजपा है तो दूसरी ओर कौरव की तरह झूठ की राह पर चलने वाली अघाडी है। यदि भाजपा की उपलब्धियों पर बात की जाए तो बीते 10 वर्षों में मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने राम मंदिर बनाया, धारा 370 हटाई, ट्रिपल तलाक खत्म किया, सीएए लागू किया और अब वक्फ बोर्ड के कानून को बदलने की तैयारी जोरों पर है। नक्सलवाद का खात्मा हो चुका है, आतंकवाद अपने अंतिम चरण में है। कौन नहीं जानता कि इंडी अलायंस के नेता सिर्फ अपने बेटे-बेटियों को सत्ता के शीर्ष पर बिठाना चाहते हैं। सोनिया गांधी ने राहुल गांधी को 20 बार लॉन्च किया, लेकिन हर बार वे असफल हुए। यदि देश भर में भाजपा के प्रसार पर बात की जाए तो यह माना जा सकता है कि हरियाणा में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने के बाद अब महाराष्ट्र में भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने वाला है। कर्नाटक, हिमाचल और तेलंगाना में कांग्रेस का एक भी वादा पूरा नहीं हुआ।

कैंसर के मरीजों के लिए महामना कैंसर अस्पताल में अतिरिक्त सुविधा

वाराणसी(उत्तरशक्ति) इंडियनऑयल और टाटा स्मारक केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने हैलसियॉन एलिट रेडिएशन मशीन का उद्घाटन किया। अस्पताल को यह मशीन सी.एस.आर. पहल के तहत उपलब्ध कराई गई है। बता दें कि डॉ. गुप्ता तीन दिवसीय दौरे पर वाराणसी आए हुए हैं इस दौरान वह अस्पताल में सी.एस.आर. के तहत प्राप्त हुई और शुरू हुई कई तरह की नई सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे, जिसमें मुख्य रूप से कोटक महिंद्रा बैंक द्वारा सीटी सिम्युलेटर और एच.डी.एफ.सी. बैंक द्वारा अस्पताल में बैरियर लाउंड्री की सुविधा शामिल है। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र एवं होमी भाभा कैंसर अस्पताल उत्तर प्रदेश सहित पड़ोसी राज्यों के कैंसर मरीजों के लिए एक बड़ी सौगात है और अब तक इन दोनों अस्पतालों में 1,22,896 नए कैंसर मरीजों का पंजीकरण, जबकि 20,197 मरीजों की सर्जरी हो चुकी है।

अगर इस वर्ष की बात करें तो जनवरी से लेकर अक्टूबर तक कुल 22,522 नए मरीजों का पंजीकरण हो चुका है। दोनों अस्पताल में फिलहाल तीन रेडिएशन मशीन है, जिसपर अब तक मरीजों का इलाज किया जा रहा था। पिछले वर्ष इन सभी मशीनों से तकरीबन 3300 मरीजों को इलाज दिया गया, जबकि शुरूआत से लेकर अब तक कुल 14,814 मरीजों को रेडिएशन इलाज दिया गया है। अब इस नई मशीन की शुरूआत होने से अस्पताल में रेडिएशन मशीन की संख्या बढ़कर चार हो गई है। जिससे हर साल अतिरिक्त 1500 नए मरीजों को इलाज मिल सकेगा। इससे अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को समय रहते रेडिएशन उपचार का लाभ मिलेगा। आंकड़ों के अनुसार अस्पताल आने वाले 50-60 प्रतिशत मरीजों को रेडिएशन की जरूरत पड़ती है। हालांकि मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण कई बार मरीजों को रेडिएशन के लिए इंतजार करना पड़ता है। इस मशीन के शुरूआत से प्रतीक्षा सूची में कमी आने की उम्मीद है।जो कैंसर मरीजों के लिए एक बड़ी सौगात होगी। इस अवसर पर डॉ. सुदीप गुप्ता ने कहा कि कैंसर इलाज में रेडिएशन उपचार अहम है। चूंकि रेडिएशन इलाज एक लंबी प्रक्रिया है।इसलिए कई बार मरीजों को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए हम अस्पताल में आज अतिरिक्त मशीन की शुरूआत कर रहे हैं। जो आने वाले दिनों में कैंसर मरीजों के लिए बड़ी मदद लेकर आएगा। मैं इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का आभारी हूं, जो हमारे कैंसर की इस लड़ाई में वे हमारे साथ खड़े हैं और मरीज सुविधा के लिए सी.एस.आर. पहल के तहत हमें नई मशीन की सौगात दिए हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक व राज्य प्रमुख, उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय-1, राजेश सिंह ने कहा कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड समाज में लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम चला रहा है।जिसमें से स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी कुल सीएसआर राशि का तकरीबन 60 प्रतिशत धन खर्च कर रहा है। इसके जरिए अस्पतालों एवं अन्य सामाजिक क्षेत्र जो लोगों के स्वास्थ्य से संबंधित है वहां सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

पॉक्सो एक्ट में दोषसिद्ध पर दो अभियुक्त को 7-7 वर्ष की कठोर कारावास का दण्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाये जा रहे।ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अन्तर्गत थाना बरसठी जौनपुर में अभियुक्तगण द्वारा दुष्कर्म का अपराध कारित करने के सम्बन्ध में जनपदीय पुलिस/मानिटरिंग सेल,जौनपुर की प्रभावी कार्यवाही एवं सम्यक पैरवी से दोषसिद्ध करते हुए अभियुक्त को आरोपित धारा-323/34,504 भा0द0वि0 व 8 पॉक्सो एक्ट के अन्तर्गत दोषसिद्ध करते हुए अभियुक्तगण प्रत्येक को कुल मिलाकर 7-7-7 वर्ष के कठोर कारावास व मु0-10,000-10,000/- रुपये (कुल मिलाकर 30,000/-रुपये) के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियुक्तगण द्वारा दुष्कर्म का अपराध करने के सम्बन्ध में वादी की लिखित तहरीर पर थाना बरसठी में मु0अ0सं0-04/2015, धारा-354ख,323/34,504,506 भा0द0वि0 व 8 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत हुआ। विवेचना तत्परता से गुणवत्ता कायम रखते हुए अभियुक्त के विरूद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया।पुलिस महानिदेशक द्वारा चलाये जा रहे।ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के कुशल निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल नेतृत्व एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के निकट पर्यवेक्षण में जनपदीय पुलिस/मानिटरिंग सेल, जौनपुर द्वारा उक्त मुकदमें में प्रभावी पैरवी एवं सम्यक कार्यवाही की गयी।जिसके परिणामस्वरुप दिनाकं-20.11.2024 को न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट (अनन्य),जौनपुर द्वारा अभियुक्तगण 1-महेन्द्र कुमार बिन्द पुत्र श्यामलाल, 2-देवेन्द्र कुमार पुत्र रमेश कुमार, 3-राजेश बिन्द पुत्र गौरीशंकर नि0गण-कटवार थाना बरसठी,जौनपुर को आरोपित धारा-354ख,323/34,504/506 भा0द0वि0 व 8 पॉक्सो एक्ट के अन्तर्गत दोषसिद्ध करते हुए अभियुक्तगण प्रत्येक को 7-7 वर्ष के कठोर कारावास के दण्ड से व मु0-10,000-10,000/- रुपये (कुल मिलाकर 30,000/-रुपये) के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

दीपक कुमार बिंद बने बिंद समाज विकास संघ के समिति सदस्य

मुंबई(उत्तरशक्ति) मंगलवार को बिंद समाज विकास संघ के जनसंपर्क कार्यालय दादर मुंबई में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद के द्वारा दीपक कुमार पुत्र मोहनलाल बिंद संघ की सदस्यता ग्रहण की। दीपक कुमार बिंद, ग्राम सभा, खेवखर ,पोस्ट अभोली, जिला भदोही, उत्तर प्रदेश के निवासी हैं।

वह कुर्ला वेस्ट मुंबई महाराष्ट्र में रहकर ,पलमोनरी फंक्शन टेस्ट टेक्नीशियन के रूप में कार्यरत हैं, तथा पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पीयूसी, आधार कार्ड, सभी प्रकार के ऑनलाइन सर्विस सेंटर खोलकर अथक मेहनत परिश्रम से अपना और अपने परिवार का जीवन यापन करते हुए एक कुशल

युवा समाजसेवी के रूप में जाने जाते हैं। यह अपने गांव जिले के स्वजातीय बंधुओ एवं गैर स्वजातीय बंधुओ से मिलजुल कर रहना प्रेम सौहार्द पूर्वक सुख दुख में शामिल होना, उनके हर कार्यों में हर क्षेत्र में समाज सेवा का कार्य करते रहना, उनकी सुंदर छवि रही है। दीपक कुमार बिंद ने बताया कि बिंद समाज विकास संघ हमें अपना सदस्य बनाकर देश समाज हित में काम करने के लिए एक अच्छा अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि संघ के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं संघ की नीति एवं नियमों के अनुसार संघ के साथ कदम से कदम मिलाकर चलूंगा और देशहित, समाज हित में जो भी कार्य होगा उस कार्य को पूरा करने में अहम भूमिका निभाऊंगा।

एलन पटना में स्टूडेंट्स को मिला कॅरियर गाइडेंस के साथ मोटिवेशन

पटना। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट विद्यार्थियों के कॅरियर निर्माण के उद्देश्य को लेकर लगातार प्रयासरत रहता है। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत एलन पटना की ओर से कॅरियर गाइडेंस एंड मोटिवेशनल सेशन का आयोजन किया गया। बीरचन्द्र पटेल मार्ग स्थित रविन्द्र भवन में हुए सेशन में 2 दिन में हुए चार सेशन्स में करीब 10 हजार विद्यार्थी शामिल हुए, जिन्हें एलन के जोनल हेड वाइस प्रेसिडेंट व एलन पटना के मेंटोर डॉ.विपिन योगी ने मोटिवेशन, मेंटल हेल्थ व मेडिकल में कॅरियर विषय पर उद्बोधन दिया तथा एलन के जेईई डिवीजन के कॅरियर काउंसलिंग हेड अमित आहूजा ने इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम को लेकर आवश्यक जानकारियां दी। इस अवसर पर एलन के टेस्ट में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सिल्वर मेडल से पुरस्कृत किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए सेशन में कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने आगामी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं जेईई-मेन और एडवांस्ड, इसकी आवेदन प्रक्रिया, एग्जाम और अन्य कॉलेजों में आवेदन की जानकारी दी। डॉ.विपिन योगी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी की आवेदन व सिलेबस के बारे में बताया।

एक वोट हिन्दू राष्ट्र के नामः अशोक भाटिया, वसई